MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

मुंबई तरंग

गलती नीम की नहीं की वो कड़वा है खुदगर्जी जीभ की है कि उसे मीठा पसंद है

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-01 ❖ अंक-50 ❖ मुंबई ❖ रविवार 06 से 12 दिसंबर 2020 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक द्वारा रेल सुरक्षा बल RPF ई- पेट्रोलिं बीट मैनेजमेंट एप का हुआ शुभारम्भ

पेज 5

पीएम मोदी ने सीनियर मंत्रियों संग की बैठक, कृषि कानूनों को वापस लेने पर अड़े किसान संगठन

पेज 7

आदित्य नारायण ने शादी के बाद पत्नी श्वेता को दी धमकी, कहा- टेस्ट में कमी नहीं होनी चाहिए वरना...

पेज 8

ब्रह्मलीन प्रभुदासबापू की पुण्यतिथि पर चित्रकूट धाम तालगाजरडा में समूह लग्न

8 दिसंबर को किसानों की तरफ से भारत बंद का 10 ट्रेड यूनियन ने दिया अपना समर्थन

10 ट्रेड यूनियन की तरफ से 26 नवंबर को भी भारत बंद किया गया था। 8 दिसंबर को किसानों की तरफ से भारत का बंद का ऐलान किया गया है। ट्रेड यूनियन ने इसे समर्थन देने का ऐलान किया है।

नई दिल्ली, दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के एक संयुक्त मंच ने आठ दिसंबर को किसान संगठनों द्वारा 'भारत बंद' के आह्वान पर अपना समर्थन दिया है। इन यूनियनों ने 26 नवंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था, जिसका मकसद हाल ही में पारित श्रम संहिता (Labour Codes)के अलावा कई अन्य मुद्दों के साथ हाल में पारित किये गये कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना है।

ये हैं 10 ट्रेड यूनियन

संयुक्त मंच दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का है - जिसमें इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक), ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक), हिंद मजदूर सभा (एचएमएस), सेन्टर आफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू), ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेन्टर (एआईयूटीयूसी), ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी), सेल्फ-एम्प्लॉइड वुमेन्स एसोसिएशन (एसईडब्ल्यूए), ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (एआईसीसीटीयू), लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन (एलपीएफ) और यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (यूटीयूसी) शामिल हैं।

कृषि कानून खत्म करने की मांग

एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि केंद्रीय व्यापार संघों और स्वतंत्र क्षेत्रीय महासंघों / संघों के संयुक्त मंच ने 'काले कृषि कानूनों को खत्म करने की मांग कर रहे किसानों के चल रहे एकजुट संघर्ष को तहे दिल से अपना समर्थन' जताया है। संयुक्त मंच ने इस बात पर संतोष जताया कि 27 नवंबर, 2020 से, पूरे देश में सभी राज्यों में किसानों के जारी संघर्षों के साथ, मजदूरों और कर्मचारियों और उनकी यूनियनों ने एकजुटता दिखाते हुए कई विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने में पूरी तरह से सक्रिय रहे हैं।

संघर्ष को तेज करने की धमकी

उन्होंने यह विरोध प्रदर्शन कई राज्य सरकारों की पुलिस द्वारा गिरफ्तारियों और डराने धमकाने के बावजूद किया। इस संयुक्त मंच ने किसान संगठनों के साझा मंच द्वारा देशव्यापी संघर्ष को तेज करने के दृढ़ संकल्प का स्वागत किया है तथा आठ दिसंबर, 2020 को 'भारत बंद' के उनके आह्वान को सभी समर्थन प्रदान किया गया है।

मंत्री नवाब मलिक बोले- PM ने कहा बिहार को फ्री वैक्सीन देंगे, अब कह रहे राज्य कीमत तय करें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस संक्रमण के प्रबंधन और नियंत्रण के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक की। इस बैठक में कोरोना की वैक्सीन के लॉन्च और उसे आम लोगों तक पहुंचाने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसी बैठक को लेकर शनिवार को महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मालिक की प्रतिक्रिया सामने आई है। मलिक ने पूछा, 'प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक की और अब वे कह रहे हैं कि राज्य और केंद्र कीमत तय करेंगे, यह कैसे हो सकता है? बिहार चुनावों के दौरान उन्होंने आश्वासन दिया था कि सभी का टीकाकरण मुफ्त होगा।' NCP नेता ने कहा कि हम मांग करते हैं कि टीका प्रत्येक भारतीय को मुफ्त दिया जाए। PM ने कहा था-राज्य तय करेंगे वैक्सीन की कीमत बता दें सर्वदलीय बैठक में मोदी ने कहा था कि जहां तक कोविड-19 रोधी टीके की कीमत की बात है तो इस बारे में फैसला जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किया जाएगा और राज्य सरकारों की इसमें पूरी सहभागिता होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की नजर कम कीमत वाले सबसे सुरक्षित टीके पर है और यह स्वाभाविक है कि पूरी दुनिया की नजर भारत पर भी है।

PM ने कहा कि भारत के पास टीका वितरण की विशेषज्ञता और क्षमता भी दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले बहुत बेहतर है।

MLC चुनाव में झटका, फडणवीस बोले- गठबंधन की ताकत को आंकने में नाकाम रही बीजेपी

मुंबई, महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्यों (एमएलसी) के लिए हुए चुनावों में बीजेपी को लगे झटके को लेकर पार्टी नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी महा विकास अघाडी (एमवीए) के सहयोगियों की संयुक्त ताकत का आकलन करने में असफल रही। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करेगी और अगले चुनाव के लिए बेहतर तैयारी करेगी। विपक्षी बीजेपी को झटका देते हुए गठबंधन उम्मीदवारों ने अब तक पांच निर्वाचन क्षेत्रों में से तीन में जीत दर्ज कर ली है। इन सीटों में से तीन स्नातक सीट हैं जबकि दो शिक्षक सीटें हैं। इन पांच सीटों के अलावा स्थानीय निकायों की एक सीट के लिए एक दिसंबर को चुनाव हुए थे। धुले-नंदुरबार स्थानीय निकाय सीट से बीजेपी के अमरीश पटेल विजयी हुए हैं। गठबंधन की ताकत का अंदाजा नहीं लगा पाए: फडणवीस फडणवीस ने कहा, 'हम इन चुनावों में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की संयुक्त ताकत का अंदाजा नहीं लगा पाए। अब हमें पता है कि वे एक साथ मिलकर कितनी बड़ी टक्कर दे सकते हैं। हम अगले चुनावों के लिए बेहतर तैयारी करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम छह में से सिर्फ एक सीट ही जीत सके। हम नतीजों का विश्लेषण करेंगे और अगली चुनौती के लिए योजना बनाएंगे। हम उम्मीदवारों के चयन के मुद्दे पर भी चर्चा करेंगे। हालांकि पहली नजर में मुझे लगता है कि वे उपयुक्त थे।' उन्होंने कहा, 'इस बार, राज्य प्रशासन ने एमएलसी चुनावों के लिए मतदाताओं का पंजीकरण कराया। लेकिन मेरे परिवार के कुछ सदस्यों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के परिवार के सदस्यों के नाम भी समय पर फॉर्म जमा कराने के बावजूद मतदाता सूची में नहीं पाए गए। 'कांग्रेस-N C P को हुआ शिवसेना से ज्यादा फायदा' बीजेपी नेता ने कहा, 'आम तौर पर इस तरह के चुनावों में मतदाताओं का पंजीकरण राजनीतिक दलों द्वारा किया जाता है, लेकिन इस बार प्रशासन ने यह जिम्मेदारी ली थी।' उन्होंने शिवसेना पर भी निशाना साधते हुए कहा, 'हालांकि शिवसेना के पास मुख्यमंत्री का पद है, वह केवल एक सीट ही जीत सकी। वास्तव में, चुनाव में कांग्रेस और एनसीपी को शिवसेना से ज्यादा फायदा हुआ।

राहुल गांधी पर शरद पवार के कमेंट पर भड़की कांग्रेस, अब NCP ने दी ये सफाई

मुंबई, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर एनसीपी प्रमुख शरद पवार की ओर से की गई एक टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी ने पलटवार किया है। कांग्रेस की नेता और उद्धव सरकार में कैबिनेट मंत्री यशोमति ठाकुर ने शनिवार को कहा कि अगर महा विकास अघाड़ी के दल महाराष्ट्र सरकार को स्थिर रखना चाहते हैं तो उन्हें कांग्रेस के शीर्ष नेताओं पर कोई भी गलत टिप्पणी करना बंद करना होगा। इस पर एनसीपी ने सफाई देते हुए कहा है कि उनकी (शरद पवार) टिप्पणी केवल 'पितातुल्य नेता की सलाह' थी।

इससे पहले यशोमति ठाकुर ने ट्वीट किया, 'MPCC की एक कार्यकारी अध्यक्ष होने के नाते मुझे MVA में सहयोगियों से अपील करनी चाहिए कि अगर आप महाराष्ट्र में स्थिर सरकार चाहते हैं तो कांग्रेस पर टिप्पणी करना बंद कर दें। हर किसी को गठबंधन के बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए।'

शरद पवार की टिप्पणी पर दी प्रतिक्रिया

यशोमति ठाकुर ने एक अन्य ट्वीट में कहा, 'हमारा नेतृत्व बहुत मजबूत और स्थिर है। MVA का गठन लोकतांत्रिक मूल्यों में हमारी मजबूत धारणा का परिणाम है।'

यशोमति ठाकुर की प्रतिक्रिया राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) प्रमुख शरद पवार की टिप्पणी पर आई है, जिन्होंने एक नेता के रूप में राहुल गांधी की क्षमता पर सवाल उठाया था।

यह है पूरा मामला

दरअसल, एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में शरद पवार के कहा था कि राहुल गांधी के अंदर राजनीतिक स्थिरता की कमी है। इस बयान के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस की वर्किंग प्रेसिडेंट और महाविकास अघाड़ी सरकार की मंत्री यशोमति ठाकुर ने कहा कि अगर आप महाराष्ट्र में स्थिर सरकार चाहते हैं तो आपको कांग्रेस के शीर्ष नेताओं पर गलतबयानी बंद करनी चाहिए। सभी को गठबंधन के नियमों का पालन करना चाहिए। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी का निर्माण लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर ही हुआ है।

शिवसेना ने कही ये बात

वहीं दूसरी ओर शिवसेना ने राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी को शरद पवार का दिशा निर्देश बताया। पार्टी के सांसद संजय राउत ने कहा कि शरद पवार बहुत बड़े नेता हैं। अगर उनके जैसा अनुभवी नेता किसी भी राजनेता के बारे में कोई टिप्पणी करता है को उसे उनके मार्गदर्शन सा समझा जाना चाहिए।

बुलेट ट्रेन: 17.5 मीटर चौड़ी जमीन के दायरे में ही होगा काम, NHSRCL का दावा- किसानों के खेत नहीं होंगे प्रभावित

अहमदाबाद। मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़े टेंडर जारी हो चुके हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसी) ने अब बुलेट ट्रेन की लाइन के निर्माण कार्य के बारे में जानकारी दी है। एनएचएसआरसी की ओर से बताया गया है कि, 508 किलोमीटर लंबे अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड ट्रेन कॉरिडोर में रूट के लिए केवल 17.5 मीटर चाड़ाई में ही जमीन का इस्तेमाल किया जाएगा। 17.5 मीटर चौड़ी जमीन के दायरे में होगा काम एनएचएसआरसी ने दावा किया कि, रूट के आसपास की जमीन या किसानों की खेती को प्रभावित नहीं होने देंगे। एक अधिकारी ने कहा- "सभी क्रेन और अन्य कंस्ट्रक्शन वेहिकल दायरे में रहकर ही प्रोजेक्ट पूरा करेंगे। बुलेट ट्रेन के लिए लाइन बिछाने के लिए रूट मार्किंग का काम शुरू हो गया है। सबसे पहले यह काम आणंद से शुरू किया गया, जहां रूट अलाइनमेंट भी स्पष्ट हो गया है।"

पूरी परियोजना में 23 रिवर ब्रिज बनेंगे पिछले दिनों ही एनएचएसआरसी द्वारा बताया गया था कि, पूरी परियोजना में कुल 23 रिवर ब्रिज बनाए जाएंगे। जिनमें से 5 कंक्रीट ब्रिज और 11 स्टील ब्रिज होंगे। इसका टेंडर पी-1 बी और पी-1 सी दो हिस्सों के पैकेज में जारी किया गया। जिसमें ब्रिज के निर्माण कार्य शामिल हैं। वहीं, बुलेट ट्रेन रूट के निर्माण-कार्य का जिम्मा लार्सन एंड टुब्रो के पास है। इसी साल

लार्सन एंड टुब्रो को वडोदरा से वापी और वडोदरा से अहमदाबाद के बीच के बुलेट ट्रेन रूट बनाने का ठेका दिया गया है।

11 स्टील ब्रिज, जबकि 5 ब्रिज कंक्रीट वाले बनेंगे अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना देश की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित परियोजना है। इसके बारे में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की ओर से बताया गया है कि, बुलेट ट्रेन के लिए गुजरात में कुल 19 ब्रिज बनेंगे। जिसमें सबसे लंबा 1260 मीटर का ब्रिज भरूच जिले में नर्मदा नदी पर बनेगा। जबकि, अन्य चार ब्रिज महाराष्ट्र में बनेंगे, जिसमें वैतरणा नदी पर बनने वाला ब्रिज 2280 मीटर लंबा होगा। इन ब्रिज को 3 साल में बनाना होगा। एनएचएसआरसी द्वारा पी-1 बी पॅकेज के टेंडर में 237.1 किलोमीटर रूट शामिल है, जो वापी से सूरत-वडोदरा जिलों के बीच का हिस्सा है। इसमें जो ब्रिज बनाए जाएंगे वो दोहरी लाइन वाले ब्रिज होंगे। ये ब्रिज स्टील और कंक्रीट से बनेंगे। इस पूरे रूट में कुल 11 ब्रिज स्टील वाले, जबकि 5 ब्रिज कंक्रीट वाले बनेंगे।

फरवरी 2021 में खोला जाएगा टेंडर

परियोजना से जुड़े आ ंफिशियल्स के मुताबिक, ब्रिज से जुड़े टेंडर को 18 फरवरी को खोला जाएगा। वहीं, पी-1 सी पॅकेज के लिए जारी टेंडर 19 फरवरी 2021 को खुलेगा। उधर, बुलेट ट्रेन के रूट मार्किंग की जानकारी भी सामने आई है। रूट मार्किंग का काम गुजरात के आणंद से शुरू हुआ बताया जा रहा है। यहां तक कि, बुलेट ट्रेन की रूट अलाइनमेंट भी स्पष्ट हो गई है। हालांकि, इससे पहले सी-6 पॅकेज में गुजरात के वडोदरा से अहमदाबाद शहर के बीच सिविल वर्क का डिजाइन कंस्ट्रक्शन, हाई स्पीड डबल लाइन (87.5), 25 क्रासिंग ब्रिज, 97.5 किलोमीटर पैरेलेल ब्रिज, मेंटिनेंस डिपो जैसे कार्य होने हैं। बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के सी-6 पॅकेज के अलावा पॅकेज सी-4 के निर्माण कार्य से जुड़ी जानकारी भी मिली है। बताया जा रहा है कि, इसमें परियोजना का कुल 46.66% हिस्सा शामिल है, जिसकी लंबाई 237 किलोमीटर है। सी-4 पॅकेज में भी सिविल, बिल्डिंग वर्क्स का डिजाइन व निर्माण और टेस्टिंग व कमीशनिंग शामिल है।

टीवी इंडस्ट्री से एक और बुरी खबर, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के राइटर अभिषेक ने किया सुसाइड

नई दिल्ली: साल 2020 बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के लिए काफी बुरा जा रहा है। इस साल बॉलीवुड ने सुशांत सिंह राजपूत, इरफान खान, ऋषि कपूर जैसे दिग्गज एक्टर को खोया, तो वहीं समीर शर्मा, अक्षत उत्कर्ष जैसे टीवी स्टार्स भी दुनिया को अलविदा कह गए। अब खबर आई है कि लोकप्रिय टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के लेखक अभिषेक मकवाना की भी मौत हो गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को ये आत्महत्या का मामला लग रहा है। भाई ने किए कई खुलासे मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक 27 नवंबर को अभिषेक का शव उनके मुंबई स्थित फ्लैट पर लटका हुआ मिला था। साथ ही उसके पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। जिसमें उन्होंने पैसे की दिक्कत का जिक्र किया था। उनके भाई जेनिस के मुताबिक उन्हें अभिषेक से जुड़ी कई बातों का पता उनकी मौत के बाद चला, जब उनको कई लोगों के फोन आने लगे, जो उनसे लोन वापस करने को कह रहे थे। इसमें एक कॉल बांग्लादेश और एक म्यांमार से था, जबकि कई अन्य भारत के अलग-अलग राज्यों से थे। जब उन्होंने जांच की तो पता चला की अभिषेक ने सारे लोन भर दिए थे।

शहद लिया या शुगर, मिलावट का खतरनाक खेल

देश में बेचे जा रहे तमाम जाने-माने ब्रैंडों के शहद में शुगर सिरप की मिलावट की खबर न केवल चौंकाने वाली बल्कि चिंताजनक भी है। इन ब्रैंडों ने स्वाभाविक रूप से इस खबर को एक स्वर में गलत बताया है, लेकिन अब तक उपलब्ध तथ्यों की रोशनी में आशंकाएं अभी खत्म नहीं हुई। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट ने जितनी मेहनत और धैर्य के साथ इस मामले की एक-एक परत खोली है, उसकी तारीफ होनी चाहिए। देश के बाजारों में बिकने वाले शहद के इन नमूनों की जर्मनी की एक प्रतिष्ठित लैब में करवाई गई जांच से न सिर्फ मिलावट का किस्सा उजागर हुआ, बल्कि देश में शहद की बढ़ती बिक्री के बावजूद मधुमक्खी पालकों के घटते कारोबार की गुत्थी भी इससे सुलझ गई।

गौरतलब है कि शहद में मिलाया जाने वाला यह शुगर सिरप चीन से मंगवाया जाता है और इसे बनाने वाली चीनी कंपनियों की वेबसाइटें दावा करती हैं कि भारतीय एजेंसियां इसकी मिलावट को नहीं पकड़ सकतीं। चीन से हमारे रिश्तों में

पिछले दिनों आई कड़वाहट के बाद चीनी माल के बहिष्कार की मांग काफी तेज हुई। दीवाली पर चीनी पटाखों और लाइट्स के बहिष्कार का नियमित आह्वान करने में ऐसे ब्रैंड्स भी आगे दिखते हैं जिनके नाम शहद में चीनी शुगर सिरप मिलाने के आरोप में शामिल हैं।

शहद सिर्फ स्वाद या शौक की चीज नहीं, बाकायदा एक हेल्थ प्रॉडक्ट है।

कोरोना के दौर में लोगों ने खास तौर पर इसे अपनाना शुरू किया क्योंकि बताया जा रहा है कि इससे शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। ऐसे में बाजार में शुद्ध शहद बताकर बेची जा रही शुगर सिरप मिली चीज खासकर डायबिटीजग्रस्त बुजुर्गों का क्या हाल करती होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो काम सीएसई जैसी एक गैरसरकारी संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं ने कर दिखाया, वह खाद्य सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हमारे देश की एजेंसियां क्यों नहीं कर पातीं, जबकि उनके पास जांच-पड़ताल के सारे साधन और कानूनी अधिकार हैं?

और उनकी अकर्मण्यता को लेकर इतना भरोसा बाहरी कंपनियों को कैसे हो जाता है कि वे अपने क्लाएंट को भी आश्वस्त कर देती हैं कि भारत में यह मिलावट नहीं पकड़ी जा सकती? टेस्ट के जो भी मानक तय हों, वे बदले नहीं जाएंगे और लैब की क्षमता बढ़ाई नहीं जाएगी, उससे भी बड़ी बात यह कि उनपर कोई उंगली नहीं उठाएगा, इसे लेकर मिलावटकर्ता इतने निश्चिंत कैसे हो जाते हैं?

कहीं ऐसा तो नहीं कि कुछ कंपनियां इतनी ताकतवर हो चुकी हैं कि सरकारी एजेंसियों में कार्रवाई की हिम्मत ही नहीं रही?

पड़ोस में सुलगती आग, अफगानिस्तान में हिंसा का दौर

संजय शर्मा

पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में हिंसक घटनाएं अचानक बढ़ गई हैं। काबुल यूनिवर्सिटी पर हुए आतंकी हमले को महीना भी नहीं बीता था कि गुजरे रविवार एक सैन्य अड्डे पर हुए फिदायीन हमले में कम से कम 34 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर सैनिक थे। इसके बाद सेना के साथ अलग-अलग हुई झड़पों में कम से कम 30 तालिबान लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। 12 सितंबर से तालिबान के साथ दोहा में जारी सरकारी नुमाइंदों की शांति वार्ता के मद्देनजर ये घटनाएं खास अहमियत रखती हैं। इस अवधि के शुरुआती दौर में भी हिंसा की कई घटनाएं हुईं, लेकिन तालिबान इस बात को लेकर खासे सतर्क दिखते थे कि उनका नाम इन घटनाओं से न जुड़े। रविवार को हुए हमले के बाद समाचार एजेंसियों की ओर से संपर्क किए जाने पर भी तालिबान प्रवक्ता ने इन घटनाओं में अपना हाथ होने से इनकार नहीं किया। सैन्य कार्रवाई में बड़ी संख्या में तालिबानों का मारा जाना बताता है कि सरकार और सेना में भी इस सवाल पर कोई दुविधा नहीं थी कि हमले के पीछे किसका हाथ है। यह स्थिति बताती है कि आने वाले दिनों में अफगानिस्तान में शांति बने रहने की उम्मीद कम है। हालांकि शांति वार्ता अभी भंग नहीं हुई है लेकिन इन वार्ताओं के पीछे मुख्य भूमिका अमेरिकी

दबाव की ही थी। बातचीत शुरू होने के बाद कुछ मामलों में सहमति बनने की खबरें भी आईं, लेकिन अफगानिस्तान सरकार की ओर से उन सहमतियों की औपचारिक पुष्टि अबतक नहीं की गई है। साफ है कि तालिबान के साथ समझौते में जाकर उनके साथ सत्ता साझा करने की बात अफगानिस्तान के मौजूदा सत्ताधीशों को खास पसंद नहीं आ रही। बात अगर तालिबानी प्रभाव की करें तो आईएसआईएस की गतिविधियां इस बात का प्रमाण हैं कि उसमें सेंध लग चुकी है। तालिबान के शांति वार्ता में आने के बावजूद अफगानिस्तान में हिंसा की घटनाएं होती रहीं और आईएसआईएस इनकी जिम्मेदारी भी लेता रहा। अब आईएसआईएस तो किसी शांति वार्ता का हिस्सा है नहीं। उसकी जो बनावट है और जो उसका लक्ष्य है, उसमें दुनिया की किसी सरकार से बातचीत या सुलह-समझौते की गुंजाइश भी नहीं बनती। ऐसे में इन गतिविधियों का सीधा नतीजा फिलहाल यही निकल रहा है कि तालिबान की अमेरिका और अफगान सरकार से सौदेबाजी की क्षमता कम हो रही है। फिर यह सवाल भी है कि अमेरिका की नई सरकार इस शांति वार्ता को लेकर कैसा रुख अपनाती है। इस बात का जवाब मिलना भी बाकी है कि बाइडन प्रशासन का पाकिस्तान के प्रति नजरिया ट्रंप से कितना अलग रहता है। कुल मिलाकर यह समय अफगानिस्तान में दुविधा और संदेह का है। बहुत संभव है कि इस धुंध का फायदा उठाते हुए कुछ हिसाब-किताब बराबर किए जाएं। इससे हिंसा की घटनाएं जरूर बढ़ सकती हैं, लेकिन शांति स्थापना का काम अपनी जगह ठहरा रहेगा। बाइडन सरकार की अफगानिस्तान नीति आने के बाद ही इस दिशा में शायद कोई अग्रगति देखने को मिले।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव की एक भयानक विरासत अपने पीछे छोड़कर विदा होने की तैयारी में हैं ट्रंप

जिगर डी वाढेर

वाइट हाउस में डॉनल्ड ट्रंप की मौजूदगी अब कुल सवा महीने की और रह गई है। उसके बाद खुद तो वे और उनका पूरा परिवार बिल्डरों वाले अपने स्थापित पेशे में लौट जाएगा, लेकिन दुनिया के कुछ हिस्सों पर उनकी विस्फोटक छाप लंबे समय तक बनी रहेगी। उदाहरण के लिए, पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका में ट्रंप के विशेष दूत जैरेड कुशनर- जो संयोगवश उनके दामाद और इसराइल की चरम कट्टरपंथी राजनीतिक धारा के समर्थक यहूदी भी हैं- पिछले कई महीनों से इलाके के वृहद-स्तरीय तनाव को अरब-इसराइल ध्रुवीकरण से बदलकर शिया-सुन्नी टकराव वाली शक्ल देने में जुटे हैं। दिलचस्प बात यह कि इस काम में उनको भारी सफलता भी मिली है।

अल-अक्सा का नुकसान

कौन कह सकता था कि अभी दो दशक पहले तक इसराइल से हजार साल लड़ते रहने की कसमें खाने वाले अरब मुल्क इतनी जल्दी उससे हाथ मिला लेंगे? लेकिन अभी न सिर्फ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन और सूडान का इसराइल से हवाई यातायात और वाणिज्य समेत चौतरफा समझौता हो चुका है, बल्कि आधी सदी से इस्लामी दुनिया के नेतृत्व का दावा करने वाला सऊदी अरब भी अगले दो-चार महीनों में शर्माते-शर्माते इसी रास्ते पर आने की जुगत में है। फलस्तीनी आबादी इन समझौतों की प्रतियां जलाने में जुटी है। उसका कहना है कि ये समझौते अपने स्वरूप में इतने द्विअर्थी हैं कि जल्द ही उन्हें अपने उपासना स्थलों पर से अपना दावा छोड़ना पड़ सकता है। मसलन, मक्का और मदीना के बाद इस्लाम की तीसरी सबसे महत्वपूर्ण मस्जिद अल अक्सा का जिक्र अभी तक सारे कानूनी कागजात में 'हरम-अल-शरीफ' नाम से ही आता रहा है, लेकिन इन समझौतों में उसे 'अल अक्सा मस्जिद' भर कहा गया है। समझौतों की भाषा यह है कि 'सारे शांतिप्रिय मुसलमान अल अक्सा मस्जिद में नमाज अदा कर सकते हैं और अन्य सभी धार्मिक स्थलों में सभी आस्थाओं के लोग आ-जा सकते हैं।' इसराइल में अभी एक कट्टरपंथी धार्मिक संगठन, जो सत्तारूढ़ गठबंधन का सदस्य भी है, यहूदियों के अल अक्सा मस्जिद में प्रार्थना करने के अधिकार को लेकर आंदोलन चला रहा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस मस्जिद की देखरेख का जिम्मा जॉर्डन सरकार को सौंपा गया है, लेकिन फलस्तीन के लोग चिंतित हैं कि इसराइल के साथ अरब मुल्कों के समझौतों में मौजूद नरम रुख का फायदा उठाकर कट्टरपंथी यहूदी कहीं हरम-अल-शरीफ में दखलंदाजी न शुरू कर दें।

ट्रंप का राज फलस्तीन के लिए हर मामले में बुरा साबित हुआ है। पवित्र शहर यरूशलम को शुरू से ही यहूदी, ईसाई और इस्लाम, तीनों धर्मों के लिए संरक्षित मानते हुए स्वायत्तता बख्शी गई थी।

लेकिन ट्रंप प्रशासन के दौरान न सिर्फ इस शहर पर इसराइली कब्जे को पूर्ण मान्यता दे दी गई, बल्कि यहां अमेरिकी दूतावास बनाकर इसे इसराइल की दूसरी राजधानी का दर्जा भी दे दिया गया। अब एक के बाद एक अरब देशों से इसराइल के राजनयिक संबंध एक राष्ट्र के रूप में फलस्तीन के दावे और उसे मिली हुई संयुक्त राष्ट्र की मान्यता को जिंदा दफन कर सकते हैं। निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चाहे जितनी भी बातें डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों को पलटने की करें, लेकिन यहूदियों के वोट और चंदे से मुंह मोड़कर अमेरिका में राजनीति नहीं की जा सकती। लिहाजा इसराइल-फलस्तीन रिश्तों को ट्रंप जिस मोड़ तक पहुंचा चुके हैं, उससे एक इंच भी पीछे ले जाना बाइडन के लिए शायद संभव न हो। बहरहाल, जैसा कि हम ऊपर कह चुके हैं, इस इलाके में अरब-इसराइल रिश्तों से भी ज्यादा बड़ा खेल शिया-सुन्नी रिश्तों में हुआ है। ट्रंप की कूटनीति के दो ही ठोस बिंदु इस इलाके में रहे हैं- इसराइल को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाना, और ईरान पर जितनी हो सके उतनी चोट करना। ओबामा के जमाने में ईरान के साथ हुआ बहुपक्षीय परमाणु समझौता (2015) उन्होंने एकतरफा तौर पर तोड़ दिया। कहा जा रहा है कि समझौते के तहत जितना एनरिच्ड यूरेनियम ईरान को अपने पास रखने की इजाजत थी, उसका बीस गुना से ज्यादा वह अभी ही जमा कर चुका है। हाल में हुई एक शीर्ष ईरानी परमाणु वैज्ञानिक की हत्या का आरोप ईरान सरकार ने इसराइल पर लगाया है, जिसका दूसरी तरफ से कोई खंडन भी नहीं आया है। बाइडन ईरान के साथ हुए एटमी समझौते को पुनर्जीवित करना चाहते हैं लेकिन खुद ईरान अब इसमें कोई विशेष दिलचस्पी शायद ही दिखाए। शिया शक्ति ईरान अपने पड़ोस में कूटनीतिक रूप से अभी जितना शक्तिशाली कम ही मौकों पर रहा होगा। पड़ोस के दो मुल्कों इराक और सीरिया में शिया शासन तो है ही, दोनों जगह की सत्ताएं अपने अधिकतर मामलों में ईरान पर बुरी तरह निर्भर हैं। रूस से ईरान के रिश्ते हमेशा से ही अच्छे रहे हैं और सुन्नी दुनिया का नेतृत्व सऊदी अरब से छीनने को उतावले तुर्की के साथ भी ईरान के कूटनीतिक संबंध काफी सुधर गए हैं। इसका फायदा उठाकर उसने ठेठ सुन्नी-अरब दायरे में अपने असर वाले तीनों देशों यमन, बहरीन और कतर में खूब हाथ-पैर फैलाए हैं और अपने चरम विरोधी देश सऊदी अरब को पैनिक रिएक्शन के लिए मजबूर किया है। सऊदी अरब के शासक ऐसे में हमेशा से अमेरिका की पूंछ पकड़ते रहे हैं और इस बार उन्हें ट्रंप के रूप में कुछ ज्यादा उत्साही समर्थक भी मिल गया।

बाइडन क्या करेंगे

नतीजा यह हुआ कि सऊदी अरब ने यमन को हवाई हमलों से तबाह कर दिया, अपने मित्र देशों यूएई और इजिप्ट से मिलकर कतर की हवाई नाकेबंदी कर दी और बहरीन समेत अपने वर्चस्व वाले पूरे अरब क्षेत्र को इसराइल के इतने करीब लेता गया, जिसकी हाल तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। पिछले दिनों हमने अमेरिका द्वारा इराक में एक टॉप ईरानी जनरल की हत्या और ईरान का जवाबी मिसाइली अटैक देखा है। जल्द ही यह इलाका ईरान-अरब, दूसरे शब्दों में कहें तो शिया-सुन्नी टकराव के बड़े नमूने दिखाने वाला है। इसका व्याकरण ट्रंप का रचा हुआ है और बाइडन चाहे कितने भी शांतिप्रिय हों, एक पराई जंग के मलबे में दब जाना वे हरगिज नहीं चाहेंगे। भारत की भूमिका इस दौर में ट्रंप के सहयोगी जैसी ही रही है। कश्मीर मामले में तुर्की, ईरान और पाकिस्तान की धुरी ने हमें काफी तंग किया है लेकिन प्रतिक्रिया में अरब-इसराइल धुरी के साथ जाने के बजाय संतुलन साधने में ही हमारा फायदा है।

कहां पहुंचा रही हैं ये सड़कें

भूपेन्द्र पटेल

मथुरा में सड़क निर्माण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने इसी हफ्ते कहा कि सड़क के रास्ते में अगर कोई पेड़ आ जाता है तो उसे काटना ही क्यों जरूरी है? सड़क पेड़ के अगल-बगल से थोड़ा मुड़ते हुए आगे क्यों नहीं बढ़ सकती? अगर सड़क किसी पेड़ के अगल-बगल जिगजैग तरीके से बनाई जाए तो उस पर गुजरने वाले वाहनों की स्पीड कम हो जाएगी। अगर स्पीड कम होगी तो दुर्घटनाएं कम होंगी। साथ ही पेड़ भी बचेंगे। स्पीड कम करने की बात कोई पहली बार नहीं कही गई है। अदालतों से कहीं पहले, हमारे अपने घर की अदालतों में भी बड़े-बूढ़े यही कहते आए हैं कि धीरे चलो। पर धीरे चलें तो कैसे? धीरे चलने वाली सड़कें पहले बनती थीं। जहां ऊंचाई आती था, ऊंची हो जाती थीं, जहां ढलान आती थी, ढल जाती थीं और जहां मोड़ आता था, मुड़ जाती थीं। मगर अब सड़कें सीधी और सपाट बनाई जाती हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि लोगों के पास समय नहीं रह गया है, इससे उनके समय की बचत होती है। इस वक्त भारत दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा सड़कधारी देश है। भारत के पास तकरीबन 59 लाख किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क है तो अमेरिका के पास तकरीबन 67 लाख किलोमीटर। इन सड़कों के लिए भारत हर साल लाखों पेड़ों की बलि चढ़ा रहा है और दुर्घटनाओं में औसतन डेढ़ लाख मनुष्यों की भी। महानगरीय सड़कों पर इस पागलपन से लोगों को मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं ने कुछ जरूर बचाया है, मगर कोरोना के बाद से ये सेवाएं भी नियमित नहीं रह गई हैं। इस वजह से सिर्फ लॉकडाउन के बाद की अवधि में ही सड़क दुर्घटनाओं में 65 हजार से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा बैठे।

औद्यौगिक क्रांति के बाद से समय दुनिया की सबसे कीमती चीज बन चुका है। समय बचाने के लिए सबसे आसान रास्ता तेज स्पीड को ही समझ लिया गया है। इस स्पीड को और बढ़ाने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियां वाहन बना रही हैं जबकि सरकारें एक्सप्रेस वे बनाकर इस काम में उनका सहयोग रही हैं। तेल कंपनियां विज्ञापन दे रही हैं कि उनका खास ब्रैंड वाला तेल डाला तो गाड़ी बिल्कुल हवाई जहाज बन जाएगी, जी करेगा कि सामने की दुकान तक जगह जाने के लिए भी पूरे शहर का चक्कर लगा आएं। अर्थशास्त्रियों को लगता है कि सड़क और स्पीड की जुगलबंदी जितनी तेज होगी, जीडीपी के आंकड़े भी उतने ही तेज बढ़ेंगे। जिस क्षेत्र में कोई नई सड़क बनी, उसका विकास हुआ या विनाश, इसका कोई ठोस अध्ययन कराने से सरकारें बचती रही हैं।

फिर वे आती भी तो पांच साल के लिए ही हैं, उनका हड़बड़ी में होना स्वाभाविक है। वैसी ही हड़बड़ी में जनता भी है। यथासंभव देर करके घर से निकलना और सड़क पर हड़बड़ी मचाना। लाल बत्ती होने के बावजूद हॉर्न मारते रहना सबके

जीवन का चलन बन गया है। स्पीड के इस सम्मोहन का संबंध कहीं जल्दी पहुंचने से तो क्या, कहीं पहुंचने से भी नहीं रह गया है। ऑटो इंडस्ट्री के खेल को मैन्युफैक्चरिंग की वह धुरी बना दिया गया है, जिसके रास्ते आंकड़ों के कुछ छवि चमकाने वाले खेल संभव होते हैं।

पहले सबके पास गाड़ी नहीं होती थी। बीसवीं सदी की शुरुआत में फोर्ड सिर्फ काले रंग की ही कारें बनाता था। बाजार में और भी कलर वैराइटी की डिमांड थी, लेकिन उसका कहना था कि वह सबके मनपसंद रंगों वाली कार बना सकता है, बशर्ते सबकी पसंद का रंग काला हो। 1973 का तेल संकट आने तक कारें राजसी ठाठ-बाट की चीज समझी जाती थी। मगर इस संकट के दौरान पेट्रोल की किल्लत से जूझते हुए जापान ने कम से कम फ्यूल खाने वाली हल्की गाड़ियां बनाने का संकल्प लिया। यहीं से कारों के साथ जुड़ा वैभव पीछे छूटता गया और ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट हल्की गाड़ियां दुनिया भर में लोगों की पसंद का पैमाना बनती गईं। इसका नुकसान यह हुआ कि कारें और मोटरसाइकिलें मध्यवर्ग का प्रवेश द्वार बन गईं और समाज रफ्तार के जुनून में ढलने लगा।

कोरोना काल में गिरे भारत के जीडीपी आंकड़े अभी इसलिए भी उठते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अनलॉक के फेज में लोगों ने जमकर गाड़ियां खरीदी हैं। इससे पहले 2008-09 की मंदी से बाहर निकालने में भी मुख्य भूमिका ऑटो सेक्टर की ही थी। लेकिन इस सेक्टर का काम आसान करने के लिए सरकार जो सड़कें बना रही है, समाज उनपर दौड़ नहीं पा रहा है। वजह साफ है। सम्राट अशोक का बनवाया 1300 मील का उत्तरपथ हो, या उसी पर शेरशाह सूरी की बनवाई ग्रैंड ट्रंक रोड, इस तरह की सड़कें बाजारों को एक दूसरे से जोड़ती थीं और लोगों के लिए काम-धंधे की गुंजाइश पैदा करती थीं। ऐसी सड़कें आज भी खूब हैं, लेकिन स्पीड ने उन्हें अप्रासंगिक बना दिया है। एक्सप्रेस वे टाइप की सड़कें शहरों को आपस में नहीं जोड़तीं। उनका मूड महानगर वाला है। वे अपने पड़ोसी को भी नहीं पहचानतीं। कन्नी काटकर बाईपास से निकल जाती हैं। पहले आदमी एक शहर से दूसरे शहर तक चलता था, अब वह एक टोल से दूसरे टोल तक चलता है। पहले वह रास्ते को एन्जॉय करता था, बाजारों में छोटे-मोटे सौदा-सुलफ करते हुए आगे बढ़ता था। अब वह सिर्फ स्पीड को एन्जॉय करता है, उसी को देखता है और वही समझता है। एशिया की संस्कृति 'धीरे चलो' वाली ही रही है। भगवान बुद्ध से लेकर कन्फ्यूशियस तक ने इसको लेकर प्रवचन दे रखे हैं। हमारे बचपन की कहानियों में से एक कछुआ और खरगोश की कहानी भी रही है, बल्कि आज भी यह बाल कहानियों में टॉप पर है। धीरे चलने को लेकर लोकगीत ही नहीं, बॉलिवुड के कई गाने भी हैं। गांव में गाते हैं, 'चलो रे मग धीरे-धीरे सिया सुकुमारी' तो बॉलिवुड में 'धीरे-धीरे मचल, ऐ दिले बेकरार' जैसे गाने हैं। मगर ये तब के हैं, जब दुनिया एक्सप्रेस वे से नहीं गुजरती थी। पिछले महीने मैं आगरा एक्सप्रेस वे से दिल्ली आ रहा था तो एक बड़ी गाड़ी बगल से 120-30 की स्पीड में निकली। उसके डेक पर गाना बज रहा था, 'छम्मक छल्लो, जरा धीरे चल्लो।'

पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक द्वारा रेल सुरक्षा बल RPF ई- पेट्रोलिं बीट मैनेजमेंट एप का हुआ शुभारम्भ

गणेश पाण्डेंय । मुंबई, पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन ने पायलट आधार पर ई-पेट्रोलिंग और बीट मैनेजमेंट एप की शुरुआत कर एक नवीन अभिनव पहल की है। भारतीय रेलवे पर अपनी तरह के इस पहले एप का उद्घाटन बुधवार को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा किया गया।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ई-पेट्रोलिंग और बीट मैनेजमेंट एप को पहली बार भारतीय रेलवे में पश्चिम रेलवे द्वारा पेश किया गया है और इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रेलवे बोर्ड के निर्देशों के आधार पर पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन में लागू किया गया है। यह बडे हर्ष की बात है कि इस प्रणाली को पश्चिम रेलवे पर सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इसका उपयोग आरपीएफ की सभी चौकियों पर बीट पेट्रोलिंग और ट्रेन एस्कॉर्ट कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि इस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य पूरे डिवीजन में ड्यूटी बीट्स की व्यवस्थित कवरेज सुनिश्चित करना, सभी कोचों में ट्रेन एस्कॉर्टिंग स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करना और ड्यूटी पर कर्मचारियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पी. सी. सिन्हा ने इस एप की विभिन्न मुख्य विशेषताएँ बताईं और कहा कि यह एप आरपीएफ स्टाफ की देखरेख के लिए क्यूआर कोड आधारित सम्पर्क रहित प्रणाली है। पूरे डिवीजन में स्टेशनों, यार्ड, मिड-सेक्शन और ट्रेनों जैसे विभिन्न स्थानों पर 340 क्यूआर कोड प्लेटें प्रदान की गई हैं। आरपीएफ कर्मियों को इस ई-पैट्रोलिंग ऐप को डाउनलोड करना होगा और अपने मोबाइल हैंडसेट के माध्यम से क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। उल्लेखनीय है कि इस RPF E-पेट्रोलिंग एंड्रॉइड एप का प्रावधान 1586 RPF / RPSF कर्मचारियों हेतु अपने मोबाइल के माध्यम से QR कोड स्कैन करने के लिए किया गया है। एप में ई-नोटिस बोर्ड और रियल-टाइम अटेंडेंस जैसी विशेषताएं हैं। यह जियो टैगिंग, दिनांक और समय के साथ स्थान की तस्वीरों का उपयोग करके कर्मचारियों को वास्तविक समय की निगरानी में सक्षम बनाता है। यह प्रदर्शन के विश्लेषण के लिए कर्मचारियों और पर्यवेक्षी अधिकारियों को इतिहास का डेटा प्रदान करने में मदद करता है और सुधार की आवश्यकता को मापता है। यह एक 2-स्तरीय निगरानी प्रणाली है, जो आरपीएफ पोस्ट स्तर पर और साथ ही साथ डिवीजनल स्तर दोनों में अधिकार क्षेत्र के आधार पर सूचना पहुंच के साथ पदानुक्रमित नियंत्रण और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए काफी फायदेमंद है। यह ग्राफिकल प्रतिनिधित्व और भू-स्थानिक मानचित्रण के साथ दैनिक और मासिक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट भी सुनिश्चित करता है।

पुर्व महापौर तुलसीदास म्हात्रे का निधन मीरा भाईदंर काँग्रेस ने जताया शोक

गणेश पाण्डेंय । मीरा भाईदंर

मीरा भयंदर महानगर पालिका MBMC के पूर्व महापौर और कांग्रेस के निष्ठावान नेता रहे।तुलसीदास म्हात्रे काफी दिनो से बीमार चल रहे थे मंगलवार सुबह 10 बजे के आसपास उन्होंने अंतिम सांस ली वह 75 वर्ष के थे। कांग्रेस पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता के रूप में अपनी राजनीतिक शुरूआत करने वाले म्हात्रे सरपंचनगरसेवक नगर परिषद में उपाध्यक्ष,MBMC की स्थायी समिति के अध्यक्ष और महापौर के रूप मे उन्होने अपनी सेवाएं दी। म्हात्रे ने लंबे कार्यकाल के लिए कांग्रेस मीरा भयदर इकाई के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया उन्होंने स्थानीय स्तर पर पार्टी के आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

"म्हात्रे ने मीरा भाईदंर शहर को नये आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। म्हात्रे ने मीरा भयंदर में कांग्रेस पार्टी की नींव रखी, उन्होंने शुरू से अंत तक कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। एक वफादार कांग्रेस समर्थक के रूप में, उन्होंने पार्टी का साथ नही छोडा, म्हात्रे साहेब के अचानक निधन ने न केवल म्हात्रे परिवार को झटका दिया, बल्कि कांग्रेस परिवार को भी अभूतपूर्व क्षति हुई हैईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे"

-मुज़फ़्फ़र हुसैन कार्यकारी अध्यक्ष,महाराष्ट्र काँग्रेस कमेठी

22 लाख की कोकीन के साथ तीन विदेशी नागरिक गिरफ्तार, मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मुंबई, मुंबई पुलिस ने ड्रग्स कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 लाख की कोकीन के साथ तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस एनडीपीएस एक्ट (NDPS act) के तहत मामला दर्ज किया है और इनसे आगे की पूछताछ जुटी हुई है। साथ ही इनके पूरे सिंडिकेट को जानने में जुटी हुई है। पुलिस ने इनके पास से 220 ग्राम कोकीन जप्त की है। डीसीपी विशाल ठाकुर के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है।

एक साथ कई एजेंसी की नज़र

मुंबई शहर में नशे के कारोबारियों पर अंकुश लगाने के लिए मुंबई पुलिस के साथ साथ मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल भी जुटी हुई है। इसके अलावा केंद्र की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मुंबई टीम भी नशे के सौदागरों को शहर से खत्म करने में जुटी हुई हैं। फिलहाल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई में बॉलीवुड के अंदर चल रहे ड्रग सिंडिकेट को खत्म करने में जुटा हुआ है। इस मामले में एसीबी ने फिल्म जगत में काम करने वाले कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों से पूछताछ की है और यह मामला अभी भी शुरू है। फिलहाल एनसीबी कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष से पूछताछ को और भी आगे बढ़ाना चाहती है। इसलिए उसने अदालत का भी रुख किया है।

कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा कर्मचारियों का सम्मान

गणेश पाण्डेंय । मुंबई, कोराना काल मे भारतीय रेलवे आवश्यक वस्तुओं का परिवहन लगातार करके देश की निरंतर सेवा करती रही है। पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों ने मेहनत की मिसाल कायम करते हुए कोविद19 महामारी के दौरान अथक परिश्रम किया है। विभिन्न विभागों के ऐसे कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों की सराहना करने के लिए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल द्वारा 9 कर्मचारियों को ट्रेन परिचालन में संरक्षा के लिए उनके कार्यों हेतु पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इन कर्मचारियों को वैगन के पहिये में दरार का समय पर पता लगाने ट्रैक के डूबने का पता लगाने लटकते उपकरणों का पता लगाने इन सब कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कंसल ने व्यक्तिगत रूप से इन 9 निष्ठावान कर्मचारियों को सम्मानित किया और उनके साथ ग्राउंड रिपोर्ट लेने के लिए बातचीत की। ये कर्मचारी पश्चिम रेलवे के परिचालन, इंजीनियरिंग और मैकेनिकल विभागों से सम्बंधित हैं और ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे जान-माल का नुकसान हो सकता था। जनसंपर्क रेल अधिकारी ठाकुर ने बताया कि पुरस्कार समारोह के बाद, महाप्रबंधक कंसल ने वीडियो लिंक के माध्यम से विभिन्न विभागों के प्रधान प्रमुखों और सभी 6 डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ संरक्षा के सम्बंध में विवरण सहित विभिन्न संरक्षा पहलुओं पर चर्चा की।

महाराष्ट्र में बीजेपी की उल्टी गिनती शुरु, ये तो ट्रायल मैच था- शशिकांत शिंदे

मुंबई, महाराष्ट्र विधानसभा परिषद चुनाव के नतीजों से महाविकास अघाड़ी सरकार की बांछें खिल उठी हैं। इस चुनाव में बीजेपी को अपेक्षाकृत सफलता नहीं मिली है। जिसकी वजह से बीजेपी मुंबई में चिंतन बैठक भी की है। चुनाव नतीजों को देखते हुए महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने अब भारतीय जनता पार्टी पर तीखे प्रहार करना शुरू किया है। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता शशिकांत शिंदे कहा है कि अब महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है, यह तो ट्रायल मैच था। पहली बार दल एक साथ चुनाव लड़े शशिकांत शिंदे ने कहा कि राज्य में महाविकास अघाड़ी सरकार आने के बाद पहली बार तीन दलों ने एक साथ चुनाव लड़ा है और उसमें जीत भी हासिल की है। चुनाव में मिली जीत यह बताती है कि जनता का भरोसा महाविकास अघाड़ी सरकार पर है। खास बात यह भी है कि भारतीय जनता पार्टी के आधिपत्य वाली जगहों पर भी महाविकास अघाड़ी सरकार ने अपना परचम लहराया है। राज्य में चार पहियों की सरकार महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने कहा कि जो लोग यह कहते हैं यह सरकार तीन पहियों वाली है। जो ज्यादा दिन नहीं चलेगी तो उन्हें यह बताना जरूरी है कि यह सरकार तीन पहियों की नहीं बल्कि चार पहियों वाली सरकार है। इसके तीन पहिए शिवसेना कांग्रेस और एनसीपी हैं जबकि चौथा पहिया खुद जनता है। जो सरकार किसानों के साथ लड़ती है उन्हें परिणाम भुगतने ही पड़ते हैं। सुप्रिया सुले ने जताया आभार चुनावी नतीजों के बाद सुप्रिया सुले ने भी तमाम मतदाताओं का आभार जताते हुए सभी का दिल से धन्यवाद किया। वहीं अजित पवार ने भी कहा है कि अब मुख्यमंत्री और हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के लिए तीनों पार्टी के नेताओं और मंत्रियों ने काफी मेहनत की थी जिसका परिणाम आज महाविकास अघाड़ी को मिला है।

फडणवीस के अहंकार ने बीजेपी की लुटिया डुबोई, एनसीपी नेता एकनाथ खडसे ने कसा तंज

मुंबई, भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद चुनावों में खराब प्रदर्शन को लेकर एनसीपी नेता एकनाथ खडसे ने पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा है कि फडणवीस के अहंकार की वजह से बीजेपी का बंटाधार हुआ है। मैं फिर आऊंगा कहने वाले अहंकारी देवेंद्र फडणवीस के गलत फैसलों का असर भारतीय जनता पार्टी पर अब दिखाई पड़ रहा है। पुणे और नागपुर जैसी परंपरागत सीटों पर भी इसी वजह से बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा है।

एनसीपी ने भी बीजेपी पर साधा निशाना

एनसीपी ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों में बीजेपी को लोगों ने नकार दिया है। खासतौर पर नागपुर जो बीजेपी का गढ़ माना जाता है। वहां भी महाराष्ट्र महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार अभिजीत बंजारी ने बीजेपी के संदीप जोशी को पटकनी दी है। आपको बता दें कि विधान परिषद की 6 सीटों में से 1 सीट पर बीजेपी 4 सीटों पर महाविकास अघाड़ी और एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने अपनी जीत दर्ज की है। पुणे और नागपुर की परंपरागत सीट होने से बीजेपी को काफी झटका लगा है।

बीजेपी की चिंतन बैठक

महाराष्ट्र के विधानसभा परिषद चुनावों में अपेक्षाकृत नतीजे हासिल कर पाने से उदास बीजेपी कोर कमिटी की मुंबई में चिंतन बैठक शुरू है। जिस पर खराब प्रदर्शन के कारणों को तलाशा जा रहा है और उनका आंकलन किया जाएगा।

चुनावी नतीजों पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि बीजेपी को जैसे नतीजों की उम्मीद थी वैसा कुछ नहीं हुआ है। फडणवीस ने कहा कि हम विरोधी खेमे की ताकत का अंदाजा नहीं लगा सके। वहां तीन पार्टियों ने एक साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और हम अकेले मैदान में थे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जिस पार्टी के मुख्यमंत्री हैं उनकी एक भी सीट नहीं आई है इसलिए उनको आकलन करने की ज्यादा जरूरत है हमारी तो कम से कम एक सीट आई है।

जीत से खुश शरद पवार

एनसीपी के मुखिया शरद पवार ने महाविकास अघाड़ी सरकार के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि जब उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी की गई थी। तब विरोधी दलों ने कहा था कि यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी लेकिन विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने बता दिया है की जनता हमारे साथ है और यह सरकार अपना कार्यकाल जरूर पूरा करेगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में अर्नब गोस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

मुंबई, पुलिस ने रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी और दो अन्य लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने के 2018 के मामले में शुक्रवार को आरोप पत्र दायर किया। यह आरोप पत्र पड़ोसी रायगढ़ जिले के अलीबाग में एक अदालत के समक्ष दायर किया गया है जहां इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक और उनकी मां कुमुद को आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने कहा कि आरोप पत्र में गोस्वामी के अलावा फिरोज शेख और नीतीश शारदा के नाम आरोपी के रूप में लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 65 लोगों को गवाह बनाया गया है। गोस्वामी ने गुरुवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से आरोप पत्र दायर करने पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया था। लेकिन इस याचिका पर अभी सुनवाई नहीं हुई है। अलीबाग पुलिस ने गोस्वामी, शेख और शारदा को मामले में चार नवंबर को गिरफ्तार किया था। उन्हें 11 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी।

यह है पूरा मामला

अन्वय नाइक और उनकी मां कुमुद ने 2018 में आत्महत्या कर ली थी क्योंकि गोस्वामी और अन्य दो आरोपियों की कंपनियों की ओर से कथित तौर पर बकाए का भुगतान नहीं किया गया था। यह मामला 2019 में सबूतों के अभाव में बंद कर दिया गया था लेकिन इस साल मई में मामले को फिर से खोला गया था। इस पर गोस्वामी ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र सरकार एक टीवी पत्रकार के रूप में उनके काम को लेकर उनके खिलाफ प्रतिशोध ले रही है।

ठाणे शहर के कई इलाकों में नहीं आएगा पानी, टीएमसी ने की जनता से अपील

ठाणे, ठाणे शहर में आज पानी की कई जगह इलाकों में सप्लाई बंद रहेगी। मेट्रो के काम की वजह से हरिदास नगर में 11 मिलीमीटर व्यास की पाइप लाइन केवल को दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए 24 घंटे पानी की आपूर्ति नहीं हो पाएगी। यह जानकारी ठाणे महानगरपालिका के तरफ से दी गई है। महानगर पालिका ने बताया है कि शुक्रवार 4 दिसंबर सुबह 9:00 बजे से लेकर 5 दिसंबर सुबह 9:00 बजे तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पाएगी। दो दिन पानी का सीमित उपयोग करें ठाणे महानगरपालिका की तरफ से नागरिकों से यह अपील की गई है कि वे पानी का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें। ताकि उन्हें ज्यादा दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। ठाणे शहर के सिद्धेश्वर, जॉनसन, समता नगर, ईटरनिटी, जेल परिसर, साकेत, ऋतु पार्क, घोड़बंदर रोड, कोठारी कंपाउंड, इंदिरा नगर,लोकमान्य नगर, गांधीनगर,किशन नगर, श्री नगर वागले एस्टेट समेत कलवा के कई इलाकों में पानी नहीं आएगा। इसके अलावा मुंब्रा के भी कुछ इलाकों में पानी बंद रहेगा। इसकी वजह से पानी का दबाव भी कई इलाकों में कम रहने की आशंका है। मुंबई में भी बंद हुआ था पानी मुंबई शहर में भी पानी की आपूर्ति बंद की गई थी। बीएमसी के लिए जी साउथ और जी नॉर्थ वार्ड के अंतर्गत गावडे चौक सेनापति बापट मार्ग पर मौजूद ब्रिटिश कालीन पाइपलाइन को दुरुस्त करने के लिए पानी की सप्लाई को बंद किया गया था। 2 और 3 दिसंबर को यह पानी की सप्लाई मुंबई के दोनों वार्ड के अंतर्गत आने वाले इलाकों में बंद की गई थी।

15 दिसंबर से जनता के लिए शुरु हो सकती है लोकल ट्रेन, सरकार कर रही है विचार

मुंबई, मुंबईकरों को महाराष्ट्र सरकार जल्द ही लोकल ट्रेन में यात्रा करने का तोहफा दे सकती है। मुंबई की लाइफ लाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन आम जनता के लिए कब शुरू की जाएगी यह सवाल सभी लोगों के मन में था। लेकिन अब उम्मीद है कि मुंबईकरों को आगामी 15 दिसंबर से लोकल ट्रेन में यात्रा करने की अनुमति मिल सकती है। बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने इन बात के संकेत दिए हैं कि महाराष्ट्र सरकार इसपर विचार कर रही है। मुंबई शहर में कोरोना मरीजों की संख्या में दोबारा इजाफा होने की वजह से लोकल ट्रेन में सभी को यात्रा की अनुमति नहीं दी गई थी। है।

सरकार ने लगाए हैं यात्रियों पर प्रतिबंध

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में आने वाले सभी यात्रियों के लिए कुछ कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। जिनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। यह प्रतिबंध कोरोना महामारी के बढ़ते असर को देखते हुए लगाए गए हैं। सरकार ने राज्य में आने वाले हर व्यक्ति के लिए कोरोना टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट का होना अनिवार्य किया है। इस रिपोर्ट के बाद ही उन्हें राज्य में प्रवेश दिया जाएगा। मुंबई में भी तमाम यात्री रेल और हवाई जहाज के जरिए आते हैं। ऐसे में उनके लिए यह रिपोर्ट लाना जरूरी है। वरना मुंबई में उन्हें एंट्री नहीं मिलेगी।

वकीलों को लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति मिली

मुंबई की लोकल ट्रेन में काफी दिनों से मुंबई के वकील यात्रा करने की अनुमति मांग रहे थे। लेकिन कोरोना के खतरे की वजह से यह अनुमति नहीं दी गई थी। अब महाराष्ट्र सरकार के आदेश के बाद रेलवे ने सभी प्रैक्टिस करने वाले एडवोकेट और उनके क्लर्क को लोकल ट्रेन के जरिए यात्रा करने की इजाजत दी है। अब रेलवे स्टेशनों पर भी कोरोना की जांच को शुरू किया गया है। फिलहाल मुंबई में कोरोना नियंत्रण में है। कोरोना की दूसरी लहर आएगी या नहीं यह पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

सर्दियों में सॉफ्ट स्किन के लिए अपने पास हमेशा रखें पेट्रोलियम जेली की डिब्बी, इन परेशानियों से भी मिलेगी राहत

सोनल झालावाड़िया

सर्दियों में स्किन स्किन की केयर करने के लिए तमाम स्किन केयर प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। लेकिन उनमें से एक का नाम जो सबसे कॉमल है वो है पेट्रोलियम जेली। इस मौसम में हमारी स्किन जल्दी ही अपनी नमी खो देती है, जिसके

कारण वह ड्राय होने लगती है। ऐसे में उसकी देखभाल और पोषण पहुंचाने के लिए हम पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल करते हैं। पेट्रोलियम जेली सिर्फ चेहरे की ड्रायनेस को ही कम नहीं करती, बल्कि स्किन से जुड़ी अनेक समस्याओं को दूर करने में भी मदद करती है। जी हां, शायद आपको यह पढ़ कर आश्चर्य हो लेकिन यह बात बिल्कुल सच है। सर्दियों में अलग-अलग स्किन संवेदनशील अंगों में से एक माना जाता है। सर्दियों में यदि आपके होंठ फटने शुरू हो चुके हैं तो पेट्रोलियम जेली को हमेशा साथ में रखें। आपको अपने हाथ में बस मटर के आकार की पेट्रोलियम जेली लेनी है और उसे लिप्स पर समान रूप से फैलाना है। यह आपके होंठों को पोषण और कोमल बनाए रखेगा।

बॉडी क्रीम के रूप में

क्या आप जानते हैं पेट्रोलियम जेली को बॉडी क्रीम या मॉइस्चराइज़र के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जब सर्दियों में आपकी स्किन ड्राय हो जाती है, तो आपको इससे बचाने के लिए पेट्रोलियम जेली की आवश्यकता होती है। बस इसे अपने चेहरे पर मॉइस्चराइज़र की तरह लगाएं और पूरे दिन टेंशन फ्री रहें। सबसे पहले अपने चेहरे को अच्छे से साफ करें। पेट्रोलियम जेली अप्लाई करें और यदि आपकी त्वचा संवेदनशील नहीं है, तो इसे रातभर लगाकर छोड़ दें। आप अपनी त्वचा में एक ग्लो देखेंगे। लेकिन अगर आपके चेहरे पर मुंहासे हैं, तो सर्दियों के मौसम में भी इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

काले घेरे का इलाज करने के लिए

यदि आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं, तो उसे आराम से इस पेट्रोलियम जेली की मदद से ठीक किया जा सकता है। इसके लिए आप थोड़ी सी पेट्रोलियम जेली को एक कॉटन पैड पर डाल लें। फिर इसे कुछ मिनटों के लिए अपनी आंखों के नीचे रखें और अपना चेहरा धो लें। नियमित ऐसा करने से आपको काले घेरे से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। ऐसा करने से आंखों की सूजन भी कम की जा सकती है।

अपने पैरों की देखभाल करने के लिए

यदि आपके पैर ड्राय हो कर फट गए हैं, तो रात में सोने से पहले थोड़ा सा पेट्रोलियम जेली अप्लाई करें। इससे आपके पैर नरम हो जाएंगे।

मामूली घावों का इलाज करने के लिए

कभी-कभी हमें एहसास भी नहीं होता है, लेकिन शरीर पर पड़े मामूली घावों में से खून बहना शुरू हो जाता है। इस मामले में आप पेट्रोलियम जेली का उपयोग कर आराम पा सकते हैं। इससे खरोंच और चकत्ते का इलाज किया जा सकता है।

तेजी से वजन घटाने के लिए ट्राई करें खीरा-पुदीना सूप, बनाने का तरीका भी बेहद आसान

जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं या मोटापा कंट्रोल करना चाहते हैं, उनके लिए खीरे-पुदीने का यह सूप किसी वरदान से कम नहीं है। खीरे-पुदीने के इस सूप के सेवन से आप बड़ी आसानी से अपना कई किलो वजन कम कर सकते हैं। इस सूप की खासियत यह है कि इसका सेवन करने से शरीर को पोषक तत्वों के साथ फाइबर भी मिलता है। जो शरीर में पहुंचकर प्राकृतिक तरीके से मेटाबॉलिज्म में सुधार करके वजन कम करने में मदद करता है। तो आइए जानते हैं आखिर कैसे बनाया जाता है खीरा-पुदीना सूप।

सामग्री-

-खीरा-एक छोटा खीरा
-दही-एक छोटी कटोरी
-लहसुन- चार कली
-नीबू का रस-एक नीबू
-पुदीने के पत्ते-8 से 10 पुदीने के पत्ते

कैसे बनाएं सूप -

खीरे-पुदीने का सूप बनाने के लिए सबसे पहले आप ऊपर बताई गई सभी चीजों को इकट्ठा करके उन्हें एक मिक्सर में एक साथ मिक्स कर लें।

उसके बाद उसमें नींबू का रस मिलाकर अपना सूप तैयार कर लें। आप चाहे तो इस सूप को बनाते समय इसमें काली मिर्च और लाल मिर्च का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपका सूप तैयार हैं। अपना वजन कम करने के लिए रोजाना इसका सेवन करें।

Disclaimer:

इस लेख में दी गई जानकारी की सटीकता और वास्तविकता सुनिश्चित करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है हालांकि इसकी नैतिक जिम्मेदारी लाइव हिन्दुस्तान डॉट कॉम की नहीं है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको जानकारी मुहैया कराना मात्र है।

आयुर्वेद के अनुसार सर्दियों में हर व्यक्ति को करना चाहिए इन पांच चीजों का सेवन

सर्दियों का मौसम खान-पान के लिहाज से काफी अहम होता है। इस सीजन में कुछ खास फल और सब्जियां ऐसी हैं, जिन्हें खाने से आपकी इम्युनिटी पावर बढ़ने के साथ आप छोटी-मोटी बीमारियों से भी बचे रहते हैं। आज हम आपको ऐसी फल-सब्जियां बता रहे हैं, जिन्हें आयुर्वेद के अनुसार शक्तिवर्धक और रोगनाशक माना जाता है।

पालक से दूर रहता है इंफेक्शन

इस सब्जी की खपत से शरीर को बेहद फायदेमंद एंटी-ऑक्सीडेंट विटामिन मिलते हैं। जैसे विटामिन ए और सी। इसमें विटामिन-के की मात्रा भी काफी होती है, जिससे बोन मास को स्ट्रेंथ मिलती है। यह सब्जी मौसम में इन्फेक्शन से दूर रहने में भी मदद करती है।

चुकंदर भी फायदेमंद

चुकंदर पूरे साल मिलता है लेकिन इस मौसम में शरीर का मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है, इसलिए ऐसे फूड लेने के लिए कहा जाता है, जो कम कैलरी के हों मगर जिनमें पोषण यानी न्यूट्रिएंट वैल्यू ज्यादा हो, जो चुकंदर यानी बीटरूट में है।

मूली से बढ़ती है इम्युनिटी

ठंड की सबसे लोकप्रिय सब्जियों और सलाद में से एक है मूली। मूली में मैग्निशियम, आयरन, कॉपर, कैल्शियम, मिनरल्स की काफी मात्रा में होती है। आयुर्वेद के अनुसार इसे डाइट में लेने से बॉडी हमेशा हेल्दी बनी रहती है।

गाजर में है विटामिन का भरमार

इसमें कैरोटिन की मात्रा बाकी के फल और सब्जियों से ज्यादा होती है। साथ ही इसमें काफी तरह के विटामिन भी मौजूद होते हैं। जैसे विटामिन बी, सी, डी, ई और के। मूली की तरह इसे सलाद में भी लिया जा सकता है और सब्जी भी बनाई जा सकती है। दोनों ही तरह से गाजर बहुत हेल्दी है.

बैक्टीरिया से लड़ता है संतरा

संतरे को सर्दी में लेने के काफी फायदे हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा काफी होती है, जिससे इस मौसम में बैक्टीरिया से लड़ने में मदद मिलती है। सबसे खास है कि यह लो-कैलरी फ्रूट है यानी इसे लेने से वजन नहीं बढ़ेगा।

जायज कारण जो बताते हैं, पुरुषों को हर दिन खानी चाहिए अश्वगंधा

अश्वगंधा एक ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जिसके नाम से हर भारतीय वाकिफ है। फिर चाहे उसने कभी इस औषधि का सेवन किया है या नहीं। अश्वगंधा के बारे में आमतौर पर लोग यही जानते हैं कि यह यौन जीवन को बेहतर बनानेवाली एक दवाई है, जो समय के साथ घटती हुई प्रजनन क्षमता में भी सुधार करती है। यह बा बिल्कुल सच है, लेकिन अश्वगंधा के फायदे इससे कहीं अधिक है।

वर्तमान समय में आपको हर दिन अश्वगंधा का सेवन क्यों करना चाहिए और कैसे करना चाहिए इस बारे में यहां जानें।

ताकि 'दीये तले अंधेरा' की तर्ज पर आप सबकुछ जानते हुए भी इस औषधि के लाभ से वंचित ना रहें और अपने शरीर को बदलते मौसम और महामारी के बीच भी स्वास्थ्य बनाए रख सकें...

त्वचा को युवा बनाए रखे

-आज के समय में मानसिक और शारीरिक तनाव का हमारी त्वचा के ऊपर बहुत बुरा असर पड़ता है। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ज्यादातर लोग पूरी तरह ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहते हैं, जिनका आमतौर पर कोई अधिक लाभ नहीं मिलता है।

-लेकिन अश्वगंधा का नियमित सेवन त्वचा को युवा बनाए रखने में सहायक है। क्योंकि यह शरीर के अंदर कोलेजन के निर्माण की प्रक्रिया को तेज करती है। कोलेजन वह पदार्थ है जो त्वचा को झुर्रियों, धारियों, पिंपल्स, इंफेक्शन और रैशेज से मुक्त रखने में सहायता करता है। यह त्वचा की कोशिकाओं को लगातार पोषण देता है और त्वचा चमकदार बनी रहती है।

बाल झड़ने और सफेद होने से रोके

-आज के समय में छोटे-छोटे बच्चों के भी बाल सफेद हो रहे हैं। आमतौर पर 30 साल की उम्र तक आते-आते ज्यादातर लोग सफेद बालों की समस्या से परेशान हो जाते हैं। इस समस्या से भी मुक्ति दिलाने में अश्वगंधा का नियमित सेवन बहुत अधिक लाभकारी होता है।

-अश्वगंधा शरीर में कॉर्टिसोल हॉर्मोन का स्तर संतुलित करता है। क्योंकि इस हॉर्मोन की अधिकता के कारण ही बाल तेजी से गिरते हैं। वहीं, बालों में मेलेनिन की कमी के कारण बाल सफेद होने लगते हैं। अश्वगंधा में ऐसे अमीनो एसिड्स पाए जाते हैं, जो मेलेनिन के उत्पादन को बढ़ाते हैं और इससे बाल काले रहते हैं।

सेक्शुअल पॉवर बढ़ाती है

-यह हम सभी जानते हैं कि अश्वगंधा का नियमित सेवन सेक्शुअल पॉवर बढ़ाता है। इसमें यह बात भी शामिल है कि यदि आपको जननांगों से संबंधित किसी तरह की कोई बीमारी है तो इस औषधि के सेवन से आपकी वह समस्या भी दूर होती है। जैसे महिलाओं में वाइट डिस्चार्ज (सफेद पानी आना) की समस्या और पुरुषों में इरेक्शन (लिंग का ढीलापन) की कमी भी दूर होती है।

संतुलन में सुधार करती है

-आपको बता दें कि अश्वगंधा एक ऐसी औषधि है जो मनुष्य के शारीरिक और मानसिक विकास को सीधे रूप में प्रभावित करती है। जो लोग इस दवाई का सही प्रकार से नियमित सेवन करते हैं, उनमें शारीरिक और मानसिक संतुलन बहुत अच्छा रहता है। उनकी अपनी मांसपेशियों और विचारों पर पकड़ बहुत अच्छी होती है।

बासी रोटियां खाने के ये फायदे जानकर इन्हें देखकर नहीं बनाएंगे मुंह! इन बीमारियों से बचाव के लिए जरूर खाएं

बासी रोटी सुनते ही ज्यादातर लोग मुंह बना लेते हैं लेकिन स्वाद की बजाय सेहत की बात करें, तो बासी रोटियां पोषण से भरपूर होती है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि गेहूं के आटे से बनी रोटियों को सबसे ज्यादा पौष्टिक और सुपाच्य माना जाता है लेकिन इन रोटियों के गुण तब और भी बढ़ जाते हैं, जब ये बासी हो जाती हैं। आइए, जानते हैं बासी रोटी खाने फायदे-

बासी रोटी के फायदे

बासी रोटी को रोज दूध के साथ खाने से डायबिटिज और बीपी नियंत्रित रहता है। रोटी के बासी हो जाने से उनमें कुछ लाभकारी बैक्टिरिया आ जाते हैं इसके अलावा ग्लूकोज की मात्रा भी कम होती है।

बासी रोटी को दूध के साथ खाने से पेट की बीमारियों से भी राहत मिलती है। इससे एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती है। बासी रोटी में फाइबर होने से यह पाचन को भी ठीक करता है।

बासी रोटी शरीर के तापमान को भी संतुलित बनाए रखने में मददगार है। दूध के साथ बासी रोटी को खाने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। खासकर गर्मियों में इसका सेवन करने से हाई स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा नहीं रहता है।

दूध के साथ बासी रोटी खाने से शरीर का दुबलापन भी दूर होता है और शरीर में बल की वृद्धि होती है। शरीर के दुबलेपन को दूर करने का यह सबसे कारगर उपाय भी है। खासकर रात के समय बासी रोटी खाना ज्यादा फायदेमंद होगा।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि वालों के कॅरियर के लिहाज से दिसंबर का यह पहला सप्ताह अच्छा बीतने वाला है। कार्यक्षेत्र में सफल होंगे। आर्थिक मामलों में लाभ की स्थिति में रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। उधार दिया हुआ पैसा लौट आएगा। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगे। जीवनसाथी के साथ संबंधों में सुधार आएगा।

वृषभ : व्यवसाय में लाभ की स्थिति बनेगी। नया कार्य प्रारंभ करने का विचार कर रहे हैं, तो उसे कर डालिए। आपके अच्छे व्यवहार के कारण पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में लोकप्रिय होंगे। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर मार्केट, कमीशन के माध्यम से धन लाभ के योग हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा है।

मिथुन : विद्यार्थी और यंग प्रोफेशनल के लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नए अवसरों के साथ नई चुनौतियां भी सामने आएंगी। कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल होंगे। पारिवारिक जीवन बेहतर रहेगा। परिवार में धार्मिक, मांगलिक कार्य होंगे। आर्थिक स्थिति में की कमजोरी दूर होगी। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह लाभदायक बना हुआ है। बिजनेस में विस्तार, नौकरी में लाभ। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ के योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध विवाह में बदल जाएंगे। मानसिक रूप से चल रही उलझनें समाप्त होंगी।

सिंह : इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर अधीनस्थों से असहयोग मिलेगा। किसी बात पर लोग आपका विरोध करेंगे। मानसिक परेशानियां आएंगी, लेकिन आप हिम्मत रखें। किसी प्रिय मित्र से अचानक मिलना होगा। पैसों और प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं। आय के नए स्रोत मिल सकते हैं।

कन्या : व्यापारियों को इस सप्ताह बिजनेस में अच्छा लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। साझेदारी के कार्यों से लाभ के अवसर आएंगे। अविवाहित के विवाह की बात बन सकती है। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार, प्रॉपर्टी में किया गया निवेश फायदेमंद साबित होगा। नई प्रॉपर्टी खरीदेंगे।

तुला : इस राशि के जो लाग अपने कॅरियर को लेकर चिंतित हैं, वे खुश हो सकते हैं। कोई अच्छी सूचना मिलेगी। उच्चाधिकारियों के साथ अच्छी पटरी बैठेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य और निर्णय में परिवार के लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। कोई बड़ा निवेश न करें।

वृश्चिक : सप्ताह की शुरुआत अच्छी होगी। इस सप्ताह कुछ कार्य अच्छे होंगे तो कुछ अटक भी सकते हैं। बिजनेस में नए प्रयोग करने से आगे बढ़ेंगे। पारिवारिक विवादों में उलझने से बचें। मित्रों के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है। भाई-बंधुओं से संबंध बिगड़ सकते हैं। धन संबंधी किसी बड़े निवेश को इस सप्ताह टालना बेहतर रहेगा।

धनु : इस सप्ताह परिवारिक माहौल सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत को सराहा जाएगा। धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव दूर होगा। सेहत के लिहाज से भी सप्ताह ठीक रहेगा। मानसिक तनाव दूर करने और शारीरिक स्वस्थता बरकरार रखने के लिए योग और मेडिटेशन को अपनाएं।

मकर : मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक प्रगति होगी। चाहे बिजनेस हो या नौकरी इस सप्ताह आपको लाभ ही मिलेगा। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें वक्त आपके पक्ष में है। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह अच्छा है। दांपत्य जीवन के लिए समय अच्छा है। आपसी वैचारिक मतभेद दूर होंगे।

कुंभ : कार्यक्षेत्र में अपनी टीम और अधीनस्थों के साथ मिलकर आगे बढ़ें। आपके प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होने वाली है। लोग आपकी बात मानेंगे और आपसे पूछकर ही काम करेंगे। धन संबंधी मामलों के लिए समय अनुकूल है। प्रॉपटी में निवेश लाभ का सौदा साबित होगा। सेहत थोड़ी नरम-गरम हो सकती है।

मीन : कॅरियर में बनी हुई मंदी कुछ हद तक इस सप्ताह दूर होगी। उच्चाधिकारियों से संबंध मधुर बनेंगे। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। कारोबारी लोग कार्य विस्तार करेंगे। प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन के लिए वक्त अच्छा है। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा।

चुटकुले

पप्पू: बेटा चाहे जितना बिगड़ैल हो, एक जगह उसे सम्मान देना ही पड़ता है।

राजू: कहां?

पप्पू: शादी के कार्ड पर, वहां 'सुपुत्र' लिखवाना ही पड़ता है।

पत्नी: आपका बेटा आजकल कुछ ज्यादा ही पैसे उड़ाने लगा है। जहां भी छिपाती हूं, ढूंढ ही लेता है।

पति: उस नालायक की किताबों में छिपाया करो, एग्जाम तक तो नहीं ही ढूंढ पाएगा।

सुरेश: जिसको सुनाई नहीं देता, उसको क्या कहेंगे?

महेश: कुछ भी कह दो, उसको कौन सा सुनाई देगा।

पीएम मोदी ने सीनियर मंत्रियों संग की बैठक, कृषि कानूनों को वापस लेने पर अड़े किसान संगठन

नई दिल्ली, नए कृषि कानूनों के मुद्दे पर किसानों और केंद्र सरकार में टकराव बरकरार है। पांचवें दौर की बातचीत के लिए किसान नेता विज्ञान भवन जा रहे हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह कैबिनेट के वरिष्ठ साथियों को आवास पर बुलाया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि नरेंद्र सिंह तोमर इस मीटिंग में मौजूद रहे। रेल मंत्री पीयूष गोयल भी इसका हिस्सा था। मीटिंग के बाद नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 'शनिवार को किसानों के साथ दोपहर 2 बजे मीटिंग तय है।

मुझे उम्मीद है कि किसान सकारात्मक विचार करेंगे और विरोध प्रदर्शन खत्म करेंगे।' हालांकि किसान संगठनों के नेता दो-टूक कह रहे हैं कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने से कम कुछ भी मंजूर नहीं होगा। किसान आंदोलन से जुड़ी सभी ताजा अपडेट्स देखें।

सरकार को उम्मीद, आज निकल आएगा हल

किसान आंदोलन को विपक्ष का चौतरफा समर्थन मिलने से सरकार के लिए स्थिति विकट हो गई है। लेफ्ट दलों ने किसानों की मांगों को जायज ठहराया है। दूसरी तरफ, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि आज की मीटिंग में किसानों के संदेहों को दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह विपक्ष की राजनीति है।

वे प्रदर्शन को और भड़का रहे हैं।' उन्होंने उम्मीद जताई कि आज दोपहर होने वाली बैठक में कोई न कोई हल निकल आएगा और किसान आंदोलन वापस ले लेंगे।

नए कृषि कानून को लेकर किसानों को हैं ये 8 डर:

1- किसानों का मानना है कि कृषि बाजार और कंट्रैक्ट फार्मिंग पर कानून से बड़ी कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा। कृषि खरीद पर कंपनियों का नियंत्रण होगा।

2- आवश्यक वस्तु कानून में संशोधन से जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग को बढ़ावा मिलेगा। सभी शहरी और ग्राणीण गरीबों को बड़े किसानों और निजी फूड कृषि उत्पादों की सप्लाई और मूल्यों पर भी उनका कब्जा हो जाएगा। भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग और फसलों के ट्रांसपोटेशन पर भी एकाधिकार की आशंका। नए कानून से मंडी सिस्टम के खत्म हो जाएगा।

कारपोरेशन के हाथों में छोड़ देना होगा।

3- कृषि व्यापार फर्म्स, प्रोसेसर्स, होलसेलर्स, ऐक्सपोर्टर्स और बड़े रिटेलर अपने हिसाब से बाजार को चलाने की कोशिश करेंगे। इससे किसानों को नुकसान होगा।

4- कंट्रैक्ट फार्मिंग वाले कानून से जमीन के मालिकाना हक खतरे में पड़ जाएगा। इससे कंट्रैक्ट और कंपनियों के बीच कर्ज का मकड़जाल फैलेगा। कर्ज वसूलने के लिए कंपनियों का अपना मैकनिजम होता है।

5- किसान अपने हितों की रक्षा नहीं कर पाएंगे। 'फ्रीडम ऑफ च्वाइस' के नाम पर बड़े कारोबारी इसका लाभ उठाएंगे।

6- इस कानून में विवादों के निपटारा के लिए SDM कोर्ट को फाइनल अथॉरिटी बनाया जा रहा है। किसानों की मांग है कि उन्हें उच्च अदालतों में अपील का अधिकार मिलना चाहिए।

7- कृषि अवशेषों के जलाने पर किसानों को सजा देने को लेकर भी किसानों में रोष है। किसानों का कहना है कि नए कानून में किसानों को बिना आर्थिक तौर पर मजबूत किए नियम बना दिए गए हैं।

8- प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी (संशोधन) कानून के कारण किसानों को निजी बिजली कंपनियों के निर्धारित दर पर बिजली बिल देने को मजबूर होना पड़ेगा।

दिल्ली में हवा की हालत हुई खराब, आने वाले दिनों बद्तर हो सकता है AQI।

दिल्ली के लोग अब भी जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं, राजधानी की हवा सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। शुक्रवार को यहां हवा की गति और पैटर्न में हुए बदलाव के कारण दिल्ली की हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। हवा धीमी होने के कारण प्रदूषकों का फैलाव धीमा हो गया। 35 निगरानी स्टेशनों में से कम से कम 17 स्टेशन लाल कैटेगरी में पहुंच गए। सरकारी एजेंसियों ने पूर्वानुमान लगाया है कि ऐसी संभावना है कि अगले दो दिनों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) अधिक बिगड़ सकता है और शनिवार तक 'गंभीर' श्रेणी तक जा सकता है, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के शाम 4 बजे के बुलेटिन के अनुसार, AQI 382 था, जो गुरुवार को 341 से अधिक था। बुधवार को यह 373 था। अधिकांश निगरानी स्टेशन जो 'गंभीर' श्रेणी के हैं, उनमें आनंद विहार, आईटीओ, विवेक विहार, अशोक विहार, बवाना, नरेला और मुंडका जैसे हॉट स्पॉट शामिल हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में जलने वाली फसल की घटनाएं लगभग खत्म हो गई हैं. लेकिन इससे निकले प्रदूषक वातावरण में जमा हुए हैं और स्थानीय प्रदूषक प्रतिकूल मौसम की वजह से फैलने में सक्षम नहीं हैं। आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि दिन के दौरान हवा की गति लगभग 6-7 किमी प्रति घंटे थी, जो फैलाव के लिए अनुकूल नहीं है। इसके अलावा, हवा की दिशा उत्तर से तेजी से बदल गई। श्रीवास्तव ने कहा, जब भी हवा की दिशा में बदलाव होता है, तो यह हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करता है क्योंकि हवाएं थोड़ी देर के लिए शांत हो जाती हैं और फैलाव की अनुमति नहीं देती हैं। रात का तापमान भी सामान्य से नीचे है, जो फिर से फैलाव के लिए अनुकूल नहीं है। पूर्व की हवाओं के कारण नमी बढ़ गई थी, जो प्रदूषक तत्वों को जमीन के करीब ले जाती है।" उन्होंने कहा कि हवा की गुणवत्ता सप्ताहांत में 'गंभीर' हो सकती है और 7 दिसंबर के बाद ही कोई सुधार होने की संभावना है जब उत्तर की ओर चलने वाली हवाओं की वापसी होगी।

अपनी बेटी को घर से सामान लेने भेजा, फिर पड़ोस में रहने वाली नाबालिग से मौसा ने किया रेप

राजस्थान के प्रतापगढ़ में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल आरोपी पुलिस रिमांड पर है। बताया जा रहा है कि आरोपी नाबालिग बच्ची का सगा मौसा है। जानकारी के अनुसार धरियावद पुलिस थाने में फरियादी ने एक रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें कहा था कि वह और उसकी पत्नी किसी से मिलने गए थे। घर पर उसका छोटा बेटा और 10 साल की बेटी अकेली थीं। इस दौरान बच्ची घर से दुकान पर कुछ लेने के लिए जा रही थी। तभी उसके पड़ोस में रहने वाले मौसा ने बच्ची को बुलाया और कहा की मेरा खाना बना दे। इस पर बच्ची ने खाना बनाया। उस समय आरोपी की बेटी भी वहां थी। जिसे उसने पैसे देकर सामान लेने के लिए दुकान पर भेज दिया। उसके बाद आरोपी ने मासूम बच्ची के हाथ-पांव बांधकर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए जबरन दुष्कर्म कर डाला। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। टीम ने आरोपी दरिंदे को 48 घण्टे में ही गिरफ़्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त भेरूलाल को धारा 376, 3/4 पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

राजस्थान में लग सकता है दिन का कर्फ्यू भी, जानें बैठक में CM गहलोत ने अधिकारियों से क्या कहा

राजस्थान में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। इसी बीच सीएम अशोक गहलोत ने जयपुर-जोधपुर की कोविड समीक्षा बैठक में बढ़ते आंकड़ों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोरोना की चेन तोड़ना बेहद जरूरी है। यदि लोग नहीं मानते है तो दिन में भी कर्फ्यू लगाया जाएगा। ऐसे में यदि लोग मास्क नहीं पहनेंगे, भीड़ करेंगे या सोशल डिस्टेंस की पालना नहीं करेंगे तो दिन के कर्फ्यू का भी उन्हें सामना करना पड़ेगा। साथ ही सीएम ने हैल्थ प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वालों से सख्ती से निपटने की बात कही।

साथ ही सीएम गहलोत ने खांसी-जुकाम-बुखार के संदिग्ध लक्षणों वाले लोगों की अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए। होम आईसोलेशन में रह रहे रोगियों तथा उनके सम्पर्क में आए परिजनों को क्वारेंटीन नियमों की पालना के लिए जिला कलेक्टर आदेश जारी कर पाबंद करने की बात भी वीसी के दौरान सीएम ने कही। संदिग्ध रोगियों और उनके परिजनों की समझाइश तथा पड़ोसियों का सहयोग लेकर होम आईसोलेशन के नियम की पालना के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। इस काम में इन्सीडेन्ट कमाण्डर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों,

एनजीओ तथा जागरूक नागरिकों की वार्ड कमेटियां बनाकर उनका सहयोग लें। फिर भी यदि कोई उल्लंघन होता है तो महामारी अधिनियम तथा सम्बन्धित प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई करें।

कोरोना जांच की संख्या बढ़ाने के निर्देश सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोरोना जांचों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए. जांचें बढ़ने से एक बार तो पॉजिटिव मामलों की संख्या अधिक बढ़ सकती है, लेकिन इससे संक्रमण की चेन को तोड़ने में मदद मिलेगी. संक्रमित व्यक्तियों की पहचान के बाद उनका इलाज और उन्हें आइसोलेट कर ही संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है.

महाराष्ट्र के एक गांव में आठ दिनों में 66 लोग हुए कोरोना संक्रमित, जानें कैसे

महाराष्ट्र के जालना जिले के खानपुरी गांव में पिछले एक सप्ताह में 66 लोगों के कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के कारण दहशत फैल गई है जालना तहसील के खानपुरी गांव की आबादी 1700 है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी रहमानी शकील ने बताया कि 26 नवंबर और तीन दिसंबर के बीच गांव में 66 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए। उन्होंने बताया कि एक दिसंबर को 35 ग्रामीणों में संक्रमण की पुष्टि हुई। एक अन्य स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 25 नवंबर को गांव के करीब 200 लोग एक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे जहां पर लोगों ने कथित तौर पर कोविड-19 संबंधी हिदायतों का पालन नहीं किया, इसके बाद गांव में संक्रमण के मामले बढ़ने लगे। शकील ने बताया कि हमने जालना में कोविड-19 निर्दिष्ट अस्पताल में सभी 66 मरीजों को भर्ती कराया है। जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के 12,100 से ज्यादा मामले हैं और 323 मरीजों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में कोरोना के 5229 नए मामले और 127 मरीजों की मौत महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोविड-19 के 5,229 नए मामले सामने आए जिसके बाद प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 18,42,587 हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि संक्रमण से 127 और लोगों की मौत के बाद राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर 47,599 हो गई। विभाग ने एक बयान में कहा कि इस दौरान 6,776 मरीज संक्रमण से मुक्त हुए और उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दी गई। बयान में कहा गया है कि अब तक 17,10,050 मरीज संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं और राज्य में फिलहाल उपचाराधीन मरीजों की संख्या 83,859 है। अब तक राज्य में कोविड-19 की 1,11,32,231 जांच की जा चुकी है।

भारत में कोरोना वैक्सीन आने पर क्या होगी प्रायॉरिटी? किन्हें लगेगा सबसे पहले टीका और किन्हें करना होगा इंतजार? यहां जाने सबकुछ

कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर सभी के मन में कई सवाल हैं, ऐसे में वैक्सीन सबसे पहले किसे लगेगी यह जान लेना भी जरूरी है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण और उसकी वैक्सीन की स्थिति पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक की, जिसमें उन्होंने वैक्सीन को लेकर कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अब कोरोना वैक्सीन का और इंतजार नहीं करना पड़ेगा, अगले कुछ हफ्तों में यह आ जाएगी। वैज्ञानिकों द्वारा हरी झंडी मिलते ही देश में टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया जाएगा। देश में वैक्सीन का सभी को बेसब्री से इंतजार है। चलिए जानते हैं सबसे पहले टीका लगने वालों को सूची में कौन-कौन शामिल हैं-

स्वास्थ्यकर्मी: कोविड-19 का टीका सबसे पहले डॉक्टरों और नर्सों समेत करीब एक करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों को दिया जाएगा। फ्रंटलाइन वर्कर्स: नगर निगम के कर्मचारियों, पुलिस अधिकारियों और सशस्त्र बलों के कर्मियों सहित 2 करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स को भी कोरोना वायरस वैक्सीन दी जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक: 26 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है। देश में 50 से ऊपर की उम्र के सभी लोगों को प्रारंभिक चरण में कोविड-19 टीका दिया जाएगा।

विशेष श्रेणी के लोग: सह-रुग्णता (को-मोर्बिटी) वाले 50 वर्ष से कम उम्र के और अन्य विशिष्ट देखभाल की आवश्यकता वाले लोगों को भी प्रारंभिक चरण में वैक्सीन की खुराक दी जाएगी।

क्या होगी टीके की कीमत

बता दें, शुक्रवार को हुई सर्वदलीय बैठक में कोविड-19 के टीके की कीमत की भी बात की गई। बैठक में कहा गया कि इस बारे में जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसपर फैसला किया जाएगा और राज्य सरकारों की इसमें पूरी सहभागिता होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया की नजर कम कीमत वाले सबसे सुरक्षित टीके पर है और यह स्वाभाविक है कि पूरी दुनिया की नजर भारत पर भी है। बैठक में बताया गया, भारत ने एक विशेष सॉफ्टवेयर 'को-विन' भी बनाया है जिसमें संबंधित समस्त जानकारी होगी गौरतलब है भारत में अब कोविड-19 से होने वाली मौतों का टोल 1,39,700 पर पहुंच गया है। 24 घंटों में यहां 42,533 नए डिस्चार्ज्ड केस सामने आए हैं जिनस कुल डिस्चार्ज्ड मामलों की संख्यां 90,58,822 हो गई।

आंदोलन कर रहे अन्नदाताओं के लिए ट्रैक्टर में लगवाया DJ, किसान ने बताई इसके पीछे की यह वजह

पिछले कुछ दिनों से आप किसानों को केंद्र के कृषि कानूनों का विरोध प्रदर्शन करते हुए देख रहे होंगे। किसान अपने ट्रैक्टरों में सारी मूलभूत सुविधाओं को लेकर चल रहे हैं. वहीं खाना बना रहे हैं और खा रहे हैं. सारी सविधाओं के साथ किसान लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी किसान है जिनके जीवन मनोरंजन भी बेहद जरूरी है। विरोध कर रहे कुछ किसान अपने ट्रैक्टर में अपने मनोरंजन का इंतजाम भी साथ लेकर चल रही हैं।

बीती रात सिंघू बॉर्डर में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली-हरियाणा सीमा पर डीजे सिस्टम वाला एक ट्रैक्टर देखा गया। इसमें नीली-हरी लाइट लगी हुई थी और ये एकदम मिनी डिस्को की तरह लग रहा था। किसान इसके आस-पास खड़े थे और तेज आवाज में चल रहे गानों पर नाच रहे थे। किसानों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के बीच उनके मनोरंजन नहीं हो पा रहा है। नीले रंग के ट्रैक्टर के पास मौजूद एक किसान ने कहा, "पिछले कुछ दिनों से हम यहां हैं और हमारे मनोरंजन का कोई साधन नहीं है, इसलिए हमने इस ट्रैक्टर में एक म्यूजिक सिस्टम इंस्टॉल किया है।"

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण 7 लोगों की मौत, कई जगहों पर हुआ जलभराव

तमिलनाडु में भारी बारिश जारी है, जिसके चलते सात लोगों की मौत भी हो गई। अधिकारियों ने कहा कि रामनाथपुरम के पास मन्नार की खाड़ी पर गहरे अवसाद के कारण कई हिस्सों में जलभराव हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि रामनाथपुरम जिले के तट के करीब मन्नार की खाड़ी पर गहरा अवसाद 18 घंटे तक व्यावहारिक रूप से स्थिर रहा और फिर अवसाद में कमजोर हो गया। लेटेस्ट बुलेटिन में कहा गया कि अवसाद के उसी क्षेत्र में स्थिर रहने की संभावना है और 12 घंटों में वो कमजोर भी हो जाएगा" 4,873 बच्चों सहित कुल 27,391 लोगों को निकाला कर राज्य भर के राहत शिविरों में ले जाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि उच्च जल स्तर से फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है, 40 हेक्टेयर से अधिक धान खराब हो गया है। भारतीय मौसम विभाग के 1 बजे के बुलेटिन के अनुसार अवसाद उसी जगह बना रहेगा और अगले 12 घंटों में कमजोर होने की संभावना है। मुख्यमंत्री एडप्पादी पलानीस्वामी ने 4 दिसंबर को कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, रामनाथपुरम, विरुधुनगर और थूथुकुडी के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की थी और लोगों से आग्रह किया था कि वे घर में बने रहें। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी। नारायणस्वामी ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया और नागरिक और मशीनों को पानी की निकासी के लिए लगाया गया।

ग्रेटर हैदराबाद निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत पर योगी आदित्यनाथ बोले, भाग्यनगर का भाग्योदय प्रारंभ हो रहा है...

ग्रेटर हैदराबाद निगम चुनाव (जीएचएमसी) में भाजपा ने 12 गुना लंबी छलांग लगाते हुए 48 सीट पर कब्जा कर लिया है। इस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हैदराबाद नगर निगम चुनाव में भाजपा के बेहतरीन प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भाग्यनगर का भाग्योदय प्रारंभ हो रहा है...।

आपको बता दें कि हैदराबाद निगम चुनाव में त्रिशंकु की स्थित बन गई है। सत्ताधारी टीआरएस पार्टी 99 से लुढ़क कर 55 सीट पर सिमट गई, जबकि असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम 44 सीट जीतकर तीसरे स्थान पर रही। कांग्रेस को महज दो सीट से संतोष करना पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हैदराबाद के निकाय चुनावों में भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अभूतपूर्व विश्वास जताने के लिए भाग्यनगर की जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद...।

SPORTS खेल जगत

सीरीज को अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा भारत, यह हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टी20 मैच रविवार (6 दिसंबर) को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। पहले टी20 मैच में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कंगारू टीम को 11 रनों से शिकस्त दी थी और इस मैच में टीम की निगाहें सीरीज में अजेय बढ़त बनाने पर होगी। कप्तान विराट कोहली के सामने रविंद्र जडेजा को रिप्लेस करने की समस्या होगी, वहीं, खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया टीम में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सीरीज अपने नाम करना चाहेगा भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के मैदान पर जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में खेलने उतरेगी, तो टीम का इरादा इस मैच को जीतकर सीरीज को अपने नाम करने का होगा। गौरतलब है कि टीम इंडिया को एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में टीम उस हार का हिसाब चुकता करना चाहेगी। कप्तान कोहली मनीष पांडे को एक और मौका देना चाहेंगे। मोहम्मद शमी पहले मैच में काफी महंगे साबित हुए थे, ऐसे में उनकी जगह जसप्रीत बुमराह को मौका मिल सकता है। रविंद्र जडेजा चोटिल होकर बाकी बचे दो मैचों से बाहर हो चुके हैं, ऐसे में उनकी जगह शार्दुल ठाकुर या पिछले मैच में कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर आकर मैच पलटने वाले युजवेंद्र चहल को मौका मिल सकता है।

मुश्किल में ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए दूसरे टी20 मैच से पहले कई समस्या खड़ा हो गई है। कप्तान आरोन फिंच पहले टी20 मैच में चोटिल होने के बाद दूसरे मुकाबले को मिस कर सकते हैं, जबकि एश्टन एगर की फिटनेस पर भी बड़ा सवाल है। डेविड वॉर्नर की अनुपस्थिती और फिंच के ना खेलने से ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर काफी कमजोर पड़ सकता है। स्पिन विभाग में कैमरन ग्रीन की जगह नाथन लॉयन को टीम में शामिल किया गया है, जो एडम जाम्पा का साथ देते हुए दिखाई दे सकते हैं। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में आखिरी के ओवरों में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज रनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहे हैं। फिंच अगर मैच के लिए फिट नहीं होते हैं, तो कप्तानी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ को सौंपी जा सकती है।

हेड टू हेड

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम टी20 क्रिकेट में अबतक 21 बार एक दूसरे से भिड़ चुकी हैं, जिसमें से 12 मैचों में जीत भारत के हाथ लगी है, जबकि 8 मुकाबलों को ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया है। एक मैच बेनतीजा रहा है। यानी भारत की टीम टी20 फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया पर हावी रही है।

दोनों टीमों का संभावित प्लेइंग XI

भारत का संभावित प्लेइंग XI: शिखर धवन, केएल राहुल, विराट कोहली, संजू सैमसन, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर/युजवेंद्र चहल, टी नटराजन, मोहम्मद शमी/जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर

ऑस्ट्रेलिया का संभावित X I : डार्सी शॉर्ट, आरोन फिंच (कप्तान)/ मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, मोइजेस हेनरिक्स, मैथ्यू वेड, सीन एबॉट/डैनियल सैम्स, मिशेल स्टार्क, एडम जाम्पा, नाथन लॉयन, जोश हेजलवुड

यार्कशर के पूर्व स्टाफ ने कहा, एशियाई होने के कारण पुजारा को बुलाते थे 'स्टीव'

नस्लवाद के आरोपों से घिरी यॉर्कशर काउंटी के खिलाफ क्रिकेटर अजीम रफीक के दावों का समर्थन करते हुए उसके पूर्व कर्मचारियों ने कहा कि भारत के चेतेश्वर पुजारा को भी एशियाई होने और चमड़ी के रंग के कारण 'स्टीव' बुलाया जाता था। वेस्टइंडीज के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी टीनो बेस्ट और पाकिस्तान के राणा नावेद उल हसन ने रफीक के आरोपों के समर्थन में सबूत पेश किये हैं। उनके आरोपों की जांच चल रही है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार यॉर्कशर के दो पूर्व कर्मचारियों ताज बट और टोनी बाउरी ने क्लब में संस्थागत नस्लवाद के खिलाफ सबूत दिये हैं। यॉर्कशर क्रिकेट फाउंडेशन के साथ सामुदायिक विकास अधिकारी के तौर पर काम कर चुके बट ने कहा,'एशियाई समुदाय का जिक्र करते समय बार बार टैक्सी चालकों और रेस्तरां में काम करने वालों का हवाला दिया जाता था।' उन्होंने कहा,'एशियाई मूल के हर व्यक्ति को वे स्टीव बुलाते थे। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को भी स्टीव कहा जाता था क्योंकि वे उनके नाम का उच्चारण नहीं कर पाते थे।' बट ने छह महीने के भीतर ही इस्तीफा दे दिया था।

बाउरी 1996 तक कोच के रूप में काम करते रहे और 1996 से 2011 तक यॉर्कशर क्रिकेट बोर्ड में सांस्कृतिक विविधता अधिकारी रहे। बाद में उन्हें अश्वेत समुदायों में खेल के विकास के लिये क्रिकेट विकास प्रबंधक बना दिया गया। उन्होंने कहा ,'कई युवाओं को ड्रेसिंग रूम के माहौल में सामंजस्य बिठाने में दिक्कत हुई क्योंकि उन पर नस्लवादी टिप्पणियां की जाती थी। इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा और उन पर परेशानियां खड़ी करनी के आरोप लगाये गए। दो साल पहले यॉर्कशर काउंटी छोड़ने वाले रफीक ने तो यहां तक कहा कि इस कड़वे अनुभव से तंग आकर उन्होंने आत्महत्या तक करने की सोच ली थी।

गौतम गंभीर ने दी रविंद्र जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करने की सलाह, ऑलराउंडर के लिए दिया इन दो नामों का सुझाव

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने रविंद्र जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करने की सलाह दी है। जडेजा ने तीसरे वनडे और पहले टी20 मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया था। कैनबरा में खेले गए पहले टी20 में जडेजा ने महज 23 गेंदों में 44 रनों की नाबाद तूफानी पारी खेली, जिसके चलते भारत ऑस्ट्रेलिया के सामने एक मजबूत लक्ष्य रखा सका।

गौतम गंभीर ने ईएसपीयन क्रिकइंफो के साथ बात करते हुए कहा, 'मैं उनको नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहता हूं, क्योंकि तब आप केएल राहुल को नंबर चार पर खिला सकते हैं विराट कोहली नंबर तीन पर और जडेजा नंबर पांच पर, पांड्या छह नंबर पर और आपके पास नंबर सात पर एक ऑलराउंडर और होगा। जडेजा की फॉर्म का इस्तेमाल कीजिए। मेरा प्वॉइंट हमेशा एकदम सरल रहा है। अगर आप किसी को नंबर सात पर बल्लेबाजी करवाते हैं तो वह नंबर सात की तरह ही खेलेगा। अगर आप उसको नंबर चार या पांच पर बल्लेबाजी करवाते हो, तो वह उस तरह से बल्लेबाजी करता है और इस तरह हमेशा सबके साथ होता है।' गौतम गंभीर ने एक और ऑलराउंडर के ऑप्शन के तौर पर क्रुणाल पांड्या और अक्षर पटेल बताते हुए कहा, 'अगर आप किसी से ओपनिंग करने को कहेंगे तो वह एक ओपनर की तरह सोचेगा। जडेजा के पास काबिलियत है। हम सभी जानते हैं कि उनके पास काबिलियत है, उनके नाम टेस्ट में शतक भी है, हर तरह की कंडिशंस में उन्होंने सफेद गेंद की क्रिकेट में रन बनाए हैं और तो उनको पांच नंबर पर पुश क्यों नहीं करना चाहिए। देखना चाहिए कि यह कॉम्बिनेशन काम कर रहा है कि नहीं क्योंकि आपके पास एक स्थान खाली हो जाएगा,जहां पर आप छठे गेंदबाज को खिला सकते हैं जो ओवर निकाल देगा। आप एक और लेफ्ट आर्म स्पिनर जैसे क्रुणाल पांड्या या अक्षर पटेल को शामिल कर सकते हैं।'

देश परदेश

WHO ने कहा- वैक्सीन नहीं है कोई जादू की गोली, अगले साल की शुरुआत में ही सबको नहीं मिलेगा टीका

एक तरफ दुनिया कोरोना वैक्सीन आने की खबरों से उत्साहित है तो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि कोरोनावायरस संकट के लिए वैक्सीन कोई जादू की गोली नहीं है। संक्रमण से निपटने के लिए राष्ट्र बड़े पैमाने पर रोलआउट करते नजर आ रहे हैं।

डब्लूएचओ के शीर्ष स्वास्थ्य निदेशक माइकल रयान ने कहा, "टीके के आने का मतलब कोविड का पूरी तरह खत्म हो जाना नहीं है। इसे अगले साल की शुरुआत में हर कोई प्राप्त नहीं कर पाएगा।" उन्होंने आगे कहा कि बेशक वैक्सीन के आ जाने से हमारी मेडिकल किट में एक प्रमुख शक्तिशाली उपकरण जुड़ गया है। लेकिन, वह अकेले ही सारा काम नहीं कर पाएगी।

डब्लूएचओ के महानिदेशक डॉक्टर टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसस ने वैक्सीन को एक गहरी सुरंग से निकलती रोशनी की तरह बताया है। उन्होंने कहा कि लोगों में यह धारणा बढ़ रही है कि कोरोना वायरस खत्म हो गया है, लेकिन ऐसा नहीं है, यह अभी भी बहुत तेजी से फैल रहा है। टेड्रोस ने बैठक में यह भी कहा कि हमें तैयारियों के लिए, वैश्विक प्रणाली पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सितंबर में स्थापित डब्लूएचओ आयोग, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों की समीक्षा कर रहा है। डब्लूएचओ कई देशों के साथ मिलकर एक पायलेट प्रोग्राम शुरू करने पर काम कर रहा है, जिसमें सभी देश अपनी स्वास्थ्य तैयारियों की नियमित और पारदर्शी समीक्षा करने के लिए सहमत हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि वर्तमान में 51 उम्मीदवारों की वैक्सीन इंसानों पर टेस्ट की जा रही है, जिसमें से 13 अभी फाइनल स्टेज पर पहुंच रहे हैं। बुधवार को ब्रिटेन पहला ऐसा देश बना है जिसने अपनी वैक्सीन फाइजर-बायोटेक्निक को आम लोगों पर उपयोग करने की अनुमति दी है। अमेरिका भी इस महीने इसे हरी झंडी दे देगा।

वैक्सीन के आने के साथ, अमेरिकी कंपनियां इसके वितरण में सहायता के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है। फाइजर और बायोटेक्निक ने कहा है कि उनकी वैक्सीन को माइनस 94 डिग्री का तापमान चाहिए होगा, अब इसके बाद अलग-अलग फर्म इंसुलेटिंग कंटेनर के युद्धस्तर पर इंतजाम करने में लगी हुई हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में लगातार दूसरे दिन कोविड-19 मामलों की रिकॉर्ड संख्या दर्ज की गई है, इसे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 'डार्क विंटर' कहा है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने शुक्रवार को सभी को घर के अंदर 'यूनिवर्सल फेस मास्क यूज' की सलाह दी है। इसके साथ ही जो बाइडेन ने भी कहा है कि कोरोना वायरस को देखते हुए वह अपने जनवरी में होने वाले विशाल उद्घाटन समारोह को रद्द कर देंगे।

ब्रिटिश चिकित्सा प्रमुखों ने कहा है कि एक वैक्सीन के आने से अगले साल की शुरुआत में मौतों में कमी आएगी लेकिन क्रिसमस पर सोशल डिस्टेनसिंग को ध्यान में रखना होगा।

राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने के डोनाल्ड ट्रंप के इरादों को झटका, 4 राज्यों के कोर्ट ने मामले को किया खारिज

अमेरिकी के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उस समय बड़ा झटका लगा जब अमेरिका के अलग न्यायालयों ने ट्रंप चुनाव अभियान और उनके समर्थकों के चार राज्यों जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा और विस्कोंसिन में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों के पलटने के प्रयासों पर पूर्णविराम लगा दिया।

जिला न्यायाधीश जेम्स रसेल ने शुक्रवार को नेवादा न्यायालय में सुनवाई के दौरान कहा, 'राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों को चुनौती देने का पूरा मामला पूरी तरह से खारिज किया जाता है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप चुनावों के नतीजों के खिलाफ लड़ने के लिए विश्वसनीय और प्रासंगिक सबूत प्रदान करने में विफल रहे हैं। वही मिशिगन कोर्ट ने भी ट्रंप की अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रंप चुनावों में हुई धांधली को लेकर चिंतित है, तो उन्हें राज्य के कानून के अनुसार काम करना चाहिए था जो उन्होंने नहीं किया। इसके अलावा जॉर्जिया में 11वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने भी ट्रम्प अभियान के अपील को खारिज कर दिया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी कानूनी टीम ने दरअसल दावा किया था कि डोमिनियन वोटिंग मशीनों को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बिडेन के पक्ष में चुनाव में धांधली करने के लिए प्रोग्राम किया गया था।इसके अलावा विस्कॉन्सिन में सुप्रीम कोर्ट ने भी रिपब्लिक पार्टी के विस्कॉन्सिन में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों को पलटने की अपील को ठुकरा दिया।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी मीडिया ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बिडेन को राष्ट्रपति चुनावों में विजयी बताया है, जबकि मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है चुनाव उन्होंने जीता था, लेकिन चुनाव में धांधली कर उनके वोट चुरा लिए गए। इसी को लेकर ट्रंप ने कई राज्यों के चुनाव नतीजों को लेकर क़ानूनी कार्रवाई करने की योजना बनाई थी जो हालांकि अब किसी काम आती नहीं दिख रही है क्योंकि राज्यों ने कहा है कि उन्हें व्यापक चुनाव धोखाधड़ी और पर्याप्त अनियमितताओं का कोई सबूत नहीं मिले है तथा अदालतों ने भी मामला खारिज कर दिया है।

कनाडा, ब्रिटेन के बाद अब UN तक पहुंचा किसान आंदोलन, महासचिव के प्रवक्ता ने कहा- शांति से प्रदर्शन को ना रोका जाए

केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन की चर्चा कनाडा, ब्रिटेन के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में भी होने लगी है। भारत की ओर से इसे घरेलू मुद्दा बताकर विदेशी नेताओं को इसमें हस्तक्षेप ना करने की नसीहत के बावजूद पहले कनाडा के पीएम ने अपनी बात दोहरा दी, फिर ब्रिटेन के कुछ सांसदों से अपनी सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है तो अब संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा है कि किसानों को शांति से प्रदर्शन करने का आधिकार है और उन्हें ऐसा करने दिया जाए। भारत के विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि किसानों का मुद्दा देश का आंतरिक मामला है और कुछ विदेशी नेता नासमझी वाला और गैरजरूरी बयान दे रहे हैं। यह एक लोकतांत्रिक देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। भारत ने कनाडा से दो टूक कहा है कि यदि उसके नेताओं ने ऐसा करना जारी रखा तो दोनों देशों के रिश्ते खराब हो जाएंगे। हालांकि, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भारत की चेतावनी को दरकिनार कर अपने बयान को दोहराया और कहा है कि उनका देश शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का समर्थन करता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टेफने डुजारिक ने शुक्रवार को कहा, "जहां तक भारत का सवाल है, मैं आपसे वह कहूंगा जो मैंने दूसरे लोगों को इस तरह के मुद्दे उठाने पर कहा है कि लोगों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है और अथॉरिटीज उन्हें ऐसा करने दें।" डुजारिक भारत में किसानों के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में प्रतिक्रिया दे रहे थे। इससे पहले कनाडा के पीएम और कुछ मंत्रियों ने किसानों के प्रदर्शन पर बयानबाजी की है। भारत की ओर से आपत्ति जाहिर किए जाने के बाद भी लगातार ऐसा किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को कनाडा के हाई कमिश्नर को तलब किया गया और बताया गया कि कनाडा के पीएम कुछ कैबिनेट मंत्रियों और सांसदों की ओर से भारतीय किसानों पर बयानबाजी हमारे आंतरिक मामलों में अस्वीकार्य हस्तक्षेप है।' विदेश मत्रालय ने यह भी कहा कि यदि यह जारी रहा तो भारत और कनाडा के रिश्तों पर इसके गंभीर परिणाम होंगे। इन बयानों ने कनाडा में हमारे हाई कमीशन और कांसुलेट के सामने चरमपंथी गतिविधियों को बढ़ाया है, जिससे सुरक्षा की चिंता उत्पन्न हुई है। इस बीच ब्रिटेन के कुछ सांसदों मे इस बिल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा करने की बात कही है। बता दें कि ब्रिटेन के भारतीय मूल और पंजाब से संबंध रखने वाले 36 सांसदों ने कृषि बिलों को लेकर पीएम मोदी के साथ ये मुद्दा उठाने की बात कही हैं।

आदित्य नारायण ने शादी के बाद पत्नी श्वेता को दी धमकी, कहा- टेस्ट में कमी नहीं होनी चाहिए वरना...

आदित्य नारायण और श्वेता अग्रवाल अपनी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रहे हैं।

1 दिसंबर को दोनों ने परिवार वालों के बीच शादी की। अब श्वेता का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह शादी के बाद की रस्में निभा रही हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि श्वेता अपनी सास दीपा नारायण के साथ कुछ बना रही हैं।

आदित्य इस मौके पर श्वेता के साथ मजाक करते हैं और कहते हैं, टेस्ट में कोई कसर नहीं छूटनी चाहिए वरना जाओ अपने ससुराल वालों के पास। फिर जब सब उन्हें ठीक करते हैं कि ससुराल नहीं मायके वालों के पास तो आदित्य कहते हैं हां मायके वालों के पास। आदित्य की बात सुनकर श्वेता भी अपनी हंसी नहीं रोक पातीं।

बताते चलें कि सिंगर आदित्य नारायण ने 1 दिसंबर को मंगेतर श्वेता अग्रवाल से मंदिर में शादी की। श्वेता के साथ सात फेरे लेने के बाद आदित्य बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि श्वेता से शादी से करना सपना सच होने जैसा है। आदित्य ने शादी से पहले श्वेता को 11 साल तक डेट किया है।

हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में आदित्य ने कहा, 'श्वेता और मै शादीशुदा है यह ख्वाब जैसा महसूस होता है। यह एक सपने जैसा है, जो सच हो गया। मैं श्वेता के सिवाय किसी और के साथ अपनी लाइफ बिताने के बार में सोच भी नहीं सकता हूं। उन्होंने मुझे एक अच्छा इंसान बनने में मदद की है। श्वेता वह शख्स है जिनके साथ में मैं वह होता हूं जो कि मैं हूं।'

आदित्य का फट गया था पजामा

शादी के दौरान आदित्य नारायण का पजामा फट गया था तो ऐसे में उन्हें अपने एक दोस्त की मदद लेनी पड़ी। स्पॉटबॉय के साथ इंटरव्यू के दौरान आदित्य से पूछा गया शादी के दौरान आपका सबसे यादगार पल कौन-सा रहा? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मुझे मेरे दोस्त का पजामा पहनना पड़ा था। जब श्वेता को वरमाला पहनाने के लिए मुझे उठाया गया तो मेरा पजामा फट गया था। ऐसे में फेरों के लिए मुझे दोस्त से उनका पजामा मांगना पड़ा। शुक्र है कि मेरी और मेरे दोस्त की कद-काठी एक जैसी है।'

फिनाले में पहुंचे ये 4 कंटेस्टेंट, जानें कौन हुए शो से बाहर

बिग बॉस 14 में अब तक एजाज खान और अभिनव शुक्ला फिनाले तक पहुंच गए हैं और अब 2 और कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आए हैं। बता दें कि लास्ट वीकेंड का वार में सलमान खान ने अनाउंसमेंट की थी फिलाने में 4 कंटेस्टेंट जाएंगे। अब जो 4 कंटेस्टेंट्स फिलाने में पहुंचे हैं वो हैं एजाज खान, अभिनव शुक्ला, रुबीना दिलैक और जैस्मिन भसीन। एजाज और अभिनव शुक्ला टास्क जीतकर पहले फिनाले में पहुंच गए थे। अब इस वीकेंड का वार में बताया जाएगा कि रुबीना और जैस्मिन फिनाले में जाएंगे। तो अब फिनाले में इन चारों की टक्कर देखने को मिलेगी। बता दें कि जबसे फिलाने की अनाउंसमेंट हुई है तबसे एक के बाद एक कंटेस्टेंट शो से बाहर हो रहे हैं। पहले अली गोनी, जैस्मिन को बचाते हुए शो से बाहर हो जाते हैं। इसके बाद कविता कौशिक और रुबीना दिलैक के बीच बहस होती है और कविता घर छोड़कर चली जाती हैं। अब खबर आ रही है कि निक्की तंबोली और राहुल वैद्य भी शो से बाहर हो गए हैं। जिसके बाद अब यह 4 कंटेस्टेंट फिलाने में पहुंच गए हैं। बता दें कि शो में एक्स कंटेस्टेंट्स ने एंट्री मार ली है। विकास गुप्ता, राहुल महाजन, कश्मीरा शाह और राखी सावंत बिग बॉस में पहुंचे। सलमान, विकास गुप्ता से सभी कंटेस्टेंट्स को एक शब्द में डिस्क्राइब करने के लिए कहते हैं।

इंस्टाग्राम पर शकीरा, धर्मेंद्र समेत सिर्फ इन 23 लोगों को फॉलो करती हैं देसी क्वीन सपना चौधरी

हरियाणा की देसी क्वीन सपना चौधरी का जलवा इंस्टाग्राम पर भी देखने को मिलता है। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सपना चौधरी के 26 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, लेकिन वह सिर्फ 23 लोगों को ही फॉलो करती हैं। सपना चौधरी जिन 23 लोगों को फॉलो करती हैं, उनमें सलमान खान, मीका सिंह, राणा दग्गुबाती, कपिल शर्मा और हिना खान शामिल हैं। सपना चौधरी जिन लोगों को फॉलो करती हैं, उनमें दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और इंटरनेशनल स्टार पॉप सिंगर शकीरा भी शामिल हैं। हाल ही में मां बनने वाली सपना चौधरी ने एक बार फिर से अपना जलवा बिखेरना शुरू किया है। मां बनने के बाद उनका पहला गाना 'कत्ल करेगी रे' रिलीज हुआ है। रिलीज होने के एक वीक के अंदर ही यूट्यूब पर लाखों लोग इस गाने को देख चुके हैं। स्टेज पर अपने डांस से धमाल मचाने वालीं सपना चौधरी के दीवाने हरियाणा से बाहर पश्चिमी यूपी, राजस्थान, बिहार समेत हिंदी भाषी क्षेत्र के बड़े इलाके में हैं। सपना चौधरी अकसर इंस्टाग्राम पर वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक वीडियो शेयर कर सपना चौधरी ने इवेंट इंडस्ट्री को बचाने की अपील की थी। सपना चौधरी के गानों के यूट्यूब में लाखों व्यूज हैं। खासतौर पर देसी अंदाज में उनके डांस को लोग काफी पसंद करत रहे हैं। बता दें कि सपना चौधरी ने इसी साल जनवरी में ही अपने बॉयफ्रेंड वीर साहू से शादी कर ली थी। हालांकि उनकी शादी के बारे में फैन्स को उनके मां बनने के बाद ही जानकारी मिली थी। सपना चौधरी की मां ने इस बारे में बताते हुए कहा था कि वीर साहू के किसी परिजन के निधन के चलते सादे समारोह में दोनों ने शादी कर ली थी और इसके बारे में किसी को भी जानकारी नहीं दी गई थी। सपना के पति वीर साहू भी आर्टिस्ट हैं।

कंगना रनौत से भिड़ने के बाद दिलजीत दोसांझ के ट्विटर पर बढ़े फॉलोअर्स

दिलजीत दोसांझ और कंगना रनौत का ट्विटर वॉर काफी सुर्खियों में है। लेकिन इस वॉर के बाद दिलजीत को एक फायदा जरूर हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिलजीत के ट्विटर पर फॉलोअर्स की संख्या में इजाफा हुआ है। ट्विटर पर दिलीजत के 4 लाख फॉलोअर्स बढ़ गए हैं। अब दिलजीत के 4.3 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। दिलजीत के ये फॉलोअर्स बुधवार और गुरुवार को बढ़े हैं। बता दें कि कंगना ने एक बुजुर्ग किसान महिला की फोटो शेयर कर उनके बारे में गलत शब्द लिखे थे। कंगना ने लिखा था, ये पैसे लेकर प्रोटेस्ट करती हैं। इसके बाद दिलीजत ने कंगना की क्लास लगा दी। फिर कंगना ने दिलजीत को करण जौहर का पालतू कहा था और फिर यह मामला काफी बढ़ गया।

सुशांत राजपूत को न्याय दिलाने के लिए नहीं मनाऊंगा जन्मदिन, शेखर सुमन ने ट्वीट कर किया ऐलान

अभिनेता शेखर सुमन ने 7 दिसंबर को अपना जन्मदिन न मनाने का ऐलान किया है। सुमन ने कहा है कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के चलते वह कोई जश्न नहीं मनाएंगे। सुमन ने इसका ऐलान करते हुए ट्वीट पर लिखा है, '7 दिसंबर को मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊंगा। सुशांत के लिए कम से कम इतना तो मैं कर सकता हूं। किसी भी तरह के उत्साह का मूड नहीं है। इसकी बजाय मैं यह प्रार्थना करूंगा कि सुशांत के दोषी पकड़े जाएं और जल्दी से यह केस बंद हो।'

इससे पहले 27 नवंबर को शेखर सुमन ने ट्वीट किया था, 'मैं मानता हूं कि सुशांत के केस में सीबीआई, एनसीबी और ईडी ने अब तक अच्छा काम किया है। पूछताछ, जांच से लेकर गिरफ्तारियों तक एजेंसियों ने जमकर सक्रियता दिखाई है, लेकिन मुझे लगता है कि सबूतों के अभाव के चलते वे असहाय हैं। इसलिए हमें इंतजार करना होगा, शायद एजेंसियां लकी हों।' सुशांत राजपूत की 14 जून को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत अब भी सवालों के घेरे में है। मुंबई पुलिस शुरुआत में इसे आत्महत्या का केस मान रही थी, लेकिन तमाम विवादों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से जांच कराने का आदेश दिया था। हालांकि सुशांत की मौत से ज्यादा इस केस का फोकस अब ड्रग्स के नेक्सस पर हो गया है। हाल ही में इसी मामले में भारती सिंह के घर और दफ्तर पर एनसीबी ने रेड की थी और उन्हें अरेस्ट कर लिया था। हालांकि बाद में भारती और उनके पति को बेल मिल गई थी। इससे पहले रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक को भी ड्रग्स केस में ही अरेस्ट किया गया था। हाल ही में शौविक को जमानत मिली है, जबकि रिया पहले ही बेल पर जेल से बाहर आ गई थीं। बता दें कि जन्मदिन न मनाने का ऐलान करने वाले शेखर सुमन शुरुआत से ही सुशांत राजपूत केस में ऐक्टिव हैं और उन्हें न्याय दिलाने के लिए मांग करते रहे हैं। शेखर सुमन के अलावा अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर सवाल खड़े किए थे और कहा था कि इसमें बॉलिवुड माफिया का रोल है।

नेहा कक्कड़ की इस उपलब्धि से फूले नहीं समा रहे हैं रोहनप्रीत सिंह, बोले- मैं एक प्राउड पति हूं

फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस अचीवमेंट पर नेहा के पति रोहनप्रीत सिंह फूले नहीं समा रहे हैं और खुद को नेहा का प्राउड पति बताया है। दरअसल, एक ऐप सॉन्ग ने नेहा को टॉप हिंदी फीमेल आर्टिस्ट 2020 का टैग दिया है। इसकी जानकारी खुद नेहा ने अपने इंस्टाग्राम पर दी है। इतना ही नहीं, ऐप ने नेहा को टॉप पंजाबी फीमेल आर्टिस्ट भी बताया है। ऐप पर दूसरे आर्टिस्ट की तुलना में नेहा के गानों को 66,1204 लोगों ने सुना है। नेहा ने इस पोस्ट को शेयर करते अपने फैन्स को शुक्रिया कहा है। इस पर रोहनप्रीत सिंह ने कमेंट किया, "तुम क्वीन हो और हमेशा रहोगी। तुमने हमें गर्व महसूस कराया। मैं एक प्राउड पति हूं।" बता दें कि हाल ही में नेहा ने रोहनप्रीत सिंह का बर्थडे सेलिब्रेट किया था। इस खास मौके पर उन्होंने रोहनप्रीत के लिए एक स्पेशल पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने "तुझसे शुरू हुई, तुझपे ही खत्म हो...दुनिया मेरी। हैप्पी बर्थडे उस शख्स को जिनकी वजह से मुझे पता चला कि जिंदगी जीने लायक है। सबसे ज्यादा केयरिंग पति रोहनप्रीत सिंह। आपको जिंदगी की सारी खुशियां मिले। आई लव यू मेरे पति परमेश्वर।"

'जुग जुग जियो' पर छाया कोरोना का साया, डायरेक्टर राज मेहता, वरुण धवन, नीतू कपूर के पॉजिटिव होने पर रुकी शूटिंग

डायरेक्टर राज मेहता, ऐक्टर वरुण धवन और अभिनेत्री नीतू कपूर के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद फिल्म 'जुग जुग जियो' की शूटिंग रोक दी गई है। इससे पहले अनिल कपूर के भी कोविड पॉजिटिव होने की खबर थी, लेकिन वह निगेटिव पाए गए हैं। एक सूत्र ने बताया कि तीनों में ही कोरोना के मामूली लक्षण पाए गए हैं और सभी चंढीगढ़ में फिलहाल आइसोलेशन पर हैं। अनिल कपूर और कियारा आडवाणी की रिपोर्ट निगेटिव आई है, लेकिन एहतियात के तौर पर शूटिंग को रोक दिया गया है। अनिल कपूर मुंबई पहुंच गए हैं, जबकि आज शाम तक कियारा आडवाणी भी पहुंच सकती हैं।

इस फिल्म की शूटिंग के लिए 12 नवंबर को स्टार कास्ट चंडीगढ़ पहुंची थी। इस फिल्म की शूटिंग के लिए 40 दिनों क शेड्यूल तय किया गया था और 24 दिसंबर तक शूटिं की जानी थी। लेकिन अब 10 से 14 दिनों के ब्रेक का फैसला लिया गया है। एक सूत्र के हवाले से मुंबई मिरर ने अपनी रिपोर्ट में बताया, 'वरूण, नीतू और राज का रिपीट टेस्ट होगा और एक बार रिपोर्ट निगेटिव आने और रिकवर होने के बाद फिर से शूटिंग की शुरुआत की जाएगी।' राज मेहता की 2019 की 'गुड न्यूज' के रिलीज होने के बाद यह दूसरी फिल्म है। यह फिल्म दो मैरिड कपल्स की कहानी के बीच घूमती है- वरुण धवन और कियारा आडवाणी और अनिल एवं नीतू। इस फिल्म के जरिए 8 साल बाद नीतू वापसी कर रही हैं। उस फिल्म में नीतू ने अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर और बेटे रणबीर के साथ काम किया था। बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को अनिल कपूर और कियारा आडवाणी के भी कोरोना पॉजिटिव होने की खबर आई थी। लेकिन कुछ देर बाद ही खुद अनिल कपूर ने ऐसी खबरों का खंडन करते हुए कहा था कि वह निगेटिव हैं।

मोनालिसा ने पति विक्रांत सिंह संग शोना-शोना गाने पर किया धमाकेदार डांस

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। अब मोनालिसा ने पति विक्रांत सिंर के साथ अपना एक वीडियो पोस्ट किया है जो जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में मोनालिसा और विक्रांत सिंह, टोनी कक्कड़ के शोना शोना गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। मोनालिसा पिंक स्लीवलेस गाउन में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं, विक्रांत व्हाइट टी शर्ट और ब्लैक सनग्लासेस में काफी हैंडसम लग रहे हैं। इस वीडियो को जमकर लाइक और शेयर किया जा रहा है। टोनी कक्कड़ का यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। टोनी ने इस गाने को लिखा है और बहन नेहा कक्कड़ के साथ मिलकर गाया भी है। इस गाने को सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल पर फिल्माया गया है। बता दें कि मोनालिसा की इंस्टाग्राम पर लगभग 40 लाख फॉलोअर्स हैं।

सुपर 30 के आनंद कुमार एक्सपर्ट के तौर पर होंगे शामिल

सुपर-30 के फाउंडर आनंद कुमार भी कौन बनेगा करोड़पति में नजर आने वाले हैं। वह एक्सपर्ट के तौर पर अमिताभ बच्चन की होस्टिंग वाले इस शो में दिखेंगे। कौन बनेगा करोड़पति-12 के 51वें एपिसोड में 7 दिसंबर को वह दिखेंगे। अमिताभ बच्चन के इस शो से आनंद कुमार का पुराना नाता है। 2017 में आनंद कुमार ने इस शो में हिस्सा लिया था और 25 करोड़ रुपये की रकम जीती थी। यही नहीं फिल्म आरक्षण की शूटिंग के दौरान 'बिग बी' अपने रोल के लिए तैयारी करने में भी आनंद कुमार ने मदद की थी। हालांकि इस बार वह एक्सपर्ट के तौर पर रहेंगे। यही नहीं वह 21 और 22 दिसंबर को प्रसारित होने वाले 61वें और 62वें एपिसोड में भी बतौर एक्सपर्ट शामिल होंगे।आईआईटी की प्रवेश परीक्षा के लिए गरीब बच्चों को हर साल तैयारी कराने वाले संस्थान सुपर-30

जयललिता के रोल में कैसी दिख रही हैं कंगना, पुण्यतिथि पर ऐक्ट्रेस ने पूर्व सीएम को खास तरीके से किया याद

तमिलनाडु की पूर्व सीएम जे. जयललिता की पुण्यतिथि के मौके पर ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपनी आगामी फिल्म Thalaivi के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में कंगना रनौत जयललिता के रोल में नजर आ रही हैं। यह फिल्म एक तरह से जयललिता के जीवन पर आधारित है। कंगना ने खास तरीके से जयललिता को याद करते हुए ट्विटर पर तस्वीरें शेयर की हैं। यही नहीं कंगना ने जयललिता को जया अम्मा लिखते हुए कहा, 'जया अम्मा की पुण्यतिथि के मौके पर मैं अपनी आने वाली फिल्म Thalaivi की कुछ तस्वीरें शेयर कर रही हूं। मेरी टीम को धन्यवाद। खासतौर पर लीडर के तौर पर विजय सर का शुक्रिया, जो सुपर ह्यूमन की तरह का कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने में एक सप्ताह का ही वक्त बचा है।'

मणिकर्णिका फेम ऐक्ट्रेस कंगना रनौत मूवी में पूर्व सीएम के किरदार में नजर आएंगी। महिला प्रधान भूमिकाएं अदा करने के लिए चर्चित कंगना रनौत को जयललिता के रोल में देखना बेहद दिलचस्प होगा। कंगना ने फिल्म से जुड़ी तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें से एक में वह फाइल लेकर सहयोगियों के साथ जाती दिख रही हैं। इसके अलावा एक तस्वीर में वह बच्चों को खाना खिलाती नजर आ रही हैं। यह फिल्म 26 जनवरी, 2020 को रिलीज हो सकती है। इस फिल्म के डायरेक्टर ए.एल. विजय हैं, जबकि कंगना रनौत के अलावा भाग्यश्री और अरविंद स्वामी भी इस फिल्म की स्टार कास्ट का हिस्सा हैं। बीते साल नवंबर से इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी तीन भाषाओं में लाने की तैयारी है। फिल्म में प्रकाश राज भी शामिल हैं, जिसके चलते दर्शकों को इसमें खास दिलचस्पी है। प्रकाश राज करुणानिधि के रोल में होंगे। इसके अलावा जयललिता की सहयोगी शशिकला की भूमिका में पूर्णा होंगी। वहीं भाग्यश्री इस फिल्म में जयललिता की मां संध्या के रोल में नजर आएंगी।

कंगना रनौत पर भड़के मीका सिंह, बोले- ट्विटर पर शेरनी बनना कोई बड़ी बात नहीं है

किसान आंदोलन को लेकर कंगना रनौत पंजाबी सेलेब्स के निशाने पर आ गई हैं। हाल ही में कंगना की दिलजीत दोसांझ के साथ ट्विटर पर जमकर बहस हुई थी। अब सिंगर मीका ने कंगना रनौत पर खूब निशाना साधा है। उन्होंने कंगना से कहा कि ट्विटर पर शेरनी बनना कोई बड़ी बात नहीं है। इसके बजाय आप हमारे साथ मिलकर जरुरतमंदों की मदद कर सकती हैं। दरअसल कंगना ने हाल ही में ट्वीट किया था, ''फिल्म माफिया मेरे खिलाफ कई केस दर्ज कर चुके हैं। पिछली रात जावेद अख्तर ने एक और केस दर्ज करवाया है। महाराष्ट्र सरकार मुझ पर हर घंटे कोई न कोई केस दर्ज कराती है। अब पंजाब में कांग्रेस ने भी इस गैंग में जॉइन कर लिया है। लगता है मुझे महान बनाकर ही दम लेंगे। शुक्रिया।" कंगना के इस ट्वीट पर रिएक्ट करते मीका सिंह ने लिखा, "पर बेटा आपका टारगेट क्या है ये तो समझ आए। आप एक टैलेंटेड खूबसूरत लड़की हो। आप एक्टिंग करो ना यार। अचानक इतनी देशभक्त वह भी ट्विटर और न्यूज पर।" मीका ने आगे लिखा, "हम हर रोज पांच लाख लोगों को खाना खिला रहे हैं। आप हमें जॉइन कर सकती हैं। आप सिर्फ 20 लोगों के लिए कुछ कर दो। शेरनी बनना और वो भी सिर्फ न्यूज और ट्विटर पर कोई बड़ी बात नहीं। खैर मैं आपका बड़ा फैन हूं।"

ब्रह्मलीन प्रभुदासबापू की पुण्यतिथि पर चित्रकूट धाम तालगाजरडा में समूह लग्न

कोरोना ने मचाये हुए कोहराम के चलते कोई भी सामाजिक – सांस्कृतिक – धार्मिक कार्यक्रमों पर रोक लगी है। चित्रकूट धाम तालगाजरडा में पूज्य मोरारी बापू की निश्रा में आयोजित कोई भी कार्यक्रम में प्रशासन द्वारा निर्देशित सारे नीति नियमों के परिपालन के साथ ही – अनिवार्य कार्यक्रम का आयोजन होता है। पूज्य संत श्री मोरारी बापू के पिता श्री ब्रह्मलीन प्रभु दास बापू की पुण्यतिथि पर कार्तिक की कृष्ण पक्ष की दूज के दिन, प्रति वर्ष गांव की - किसी भी कौम या ज्ञाती की - बेटियां के लिए समूह लग्न समारोह आयोजित किया जाता है। इस तिथि पर दिनमें समूह लग्न का कार्यक्रम रहता है और रात्रि के वक्त संतवाणी अवार्ड समारोह आयोजित होता है। भजन गायकी के संदर्भ में चयन कमिटी द्वारा पसंद किए गए गायक- वादक को श्री हनुमान जी महाराज की प्रसादी के रूप में पूज्य मोरारी बापू द्वारा सूत्रमाला, शॉल और प्रशस्ति पत्र के साथ ५१ हजार की धनराशि से कलाकार को प्रोत्साहित किया जाता है।

इस साल समाधिस्थ प्रभुदासबापू की २४ वीं पुण्य तिथि है। इस अवसर पर गांव की १५ बेटियों की शादी का आयोजन तो किया गया। लेकिन समूह में इकट्ठा ना होते हुए, प्रत्येक कन्या के अपने अपने घर पर ही लग्न मंडप लगवाये गये। प्रशासन द्वारा सूचित किए गए सोश्यल डिस्टेंस का ख्याल रखते हुए वैयक्तिक तौर पर लग्न समारोह संपन्न किया गया।

पूज्य मुरारी बापू द्वारा तमाम १५ बेटियों के माता - पिता को श्री हनुमान जी महाराज की प्रसादी के रूप में कन्या के कन्याधन के लिए शुभाशीष के साथ सहायता दी गई। कोरोना के चलते हुए इस साल संतवाणी अवार्ड अर्पण समारोह एवं विभिन्न गायकों द्वारा भजन गान का रात्रि कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया। पूरे विश्व के मंगल की कामना करते हुए, पूज्य बापू ने जल्दी ही विश्व में से महामारी हट जाने की अभिलाषा व्यक्त की। और सभी को सतर्क रहने की, सावधानी बरतने की और मास्क लगाकर सोश्यल डीस्टेंस का पालन करते रहने की अपील की है।

मनोज जोशी
पत्रकार
मुंबई तरंग

श्री दिपक मोरेश्वर नाईक

संस्थापक आश्रय सामाजिक सांस्कृतिक शैक्षणिक ट्रस्ट,
संपादक-पोलीस बातमीपत्र,
प्रकाशक-मानवधिकार बातमी,
प्रकाशक-पालघर बातमीपत्र को
मुंबई तरंग परिवार की तरफ से

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

केजरीवाल सरकार ने कामगारों को दिया तोहफा, मासिक महंगाई भत्ते में की बढ़ोतरी

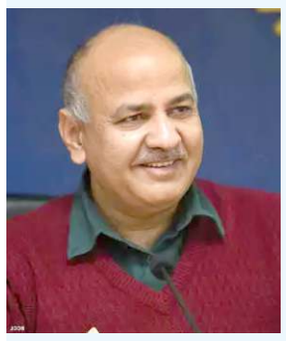

नई दिल्ली, दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने कोरोना काल के दौर में कामगोरों को तोहफा दिया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली सरकार ने अपने अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल और अन्य श्रेणी के कामगारों के लिए मासिक भत्ते में बढ़ोतरी की है। श्रम विभाग का कार्यभार संभाल रहे सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार सुनिश्चित करेगी कि कोरोना वायरस संकट के दौरान कामगारों को समय से उनका पारिश्रमिक मिल जाए। एक सरकारी बयान में कहा गया कि एक अक्टूबर से अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल और अन्य श्रेणी के कामगारों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) समेत संशोधित न्यूनतम वेतन लागू किए जाएंगे। बयान में कहा, 'अकुशल कामगारों को मासिक 15,492 रुपये (दिहाड़ी 596रुपये), अर्द्धकुशल कामगारों को मासिक 17,069 रुपये (दिहाड़ी 657 रुपये) और कुशल कामगारों के लिए मासिक 18,797 रुपये (दिहाड़ी 723 रुपये) वेतन निर्धारित किए गए हैं।'

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व हज़ारा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'ब्लड डोनेशन कैंप' सफलता पूर्वक संपन्न

मुंबई : देशभर में कोविद -१९ की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी),हज़ारा फाउंडेशन ट्रस्ट,गाँधी महात्मा सेवा मंदिर ब्लड बैंक, उत्तर पश्चिम मुंबई जिला अध्यक्ष सुल्तान सलीम बेग,एनसीपी के अंधेरी जिला के ग्रेजुएट सेल के अध्यक्ष आसिफ शेख व तालुका के अध्यक्ष समीर शेख व मुंबई(महाराष्ट्र)के महासचिव और फिल्म स्टार सुदीप पांडे द्वारा एक भव्य और विशाल 'रक्तदान और प्लाज्मा डोनेशन कैंप' का आयोजन नव भारत सोसायटी,(अँधेरी),मुंबई में २९ नवंबर २०२० को किया गया था। जहां पर ३०० यूनिट ब्लड जमा किया गया। जिसके लिए आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर आसिफ शेख ने कहा, "कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस धर्म,जाति या किस पृष्ठभूमि से हैं? रक्त हर एक के जीवन का एक आवश्यक घटक है,लेकिन बहुत से लोग इसके बारे में तब तक नहीं सोचते हैं।

प्रत्येक रक्तदान से अधिकतम तीन लोगों की जान बचती है या उनमें सुधार होता है। हर साल दुनिया भर में कई ऑपरेशन किए जाते हैं, जिनमें से कई में रक्त संचार या उपचार शामिल होते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप रक्त दान की निरंतर आवश्यकता होती है। ''सुल्तान सलीम बेग और समीर शेख ने एक साथ लोगों से आग्रह किया कि लोगों को अन्य लोगों के जीवन को बचाने के लिए रक्त दान करते रहना चाहिए। यदि कोई १४ दिनों के करोनटिन होकर आते है तो उसके रक्त में एंटीबॉडी होते हैं,जो वायरस से लड़ सकते हैं, जिससे अन्य भी ठीक हो सकते हैं,यदि आप अपना रक्त दान करते हैं। कृपया रक्त दान करते रहे और लोगों का जीवन बचाएं।"

सुदीप पांडे ने अपने प्रशंसकों को आगे आकर और बीमारी से पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सुदीप पांडे ने कहा,"घंटो क्रिकेट मैच देखने के लिए लोग जिस तरह समय निकालते है, उसी में से कुछ समय निकाल कर ब्लड डोनट उन्हें करना चाहिए। उनके चंद मिनटों में ब्लड डोनेशन से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। इससे अच्छा हीरो बनने का तरीका नहीं है, लोगो के लिए,मुझे रक्त दान करके काफी खुशी महसूस होती है।"

होम लोन से परेशान युवक ने लगाई फांसी, किस्त के लिए बना रहे थे दबाव

ग्वालियर, लोन लेकर नया कारोबार शुरू करना एक युवक को भारी पड़ गया है। कोरोना के कारण काम नहीं चलने से परेशान युवक ने आखिरकार फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जानकारी के अनुसार लोन कंपनी वाले किस्त जमा करने के लिए दबाव बना रहे थे।

दरअसल, गिरराज जी मंदिर कटी घाटी के पास रहने वाले नितिन ओझा लॉकडाउन लगने से ठीक पहले अपने दोस्त रामनरेश के साथ मिलकर होम क्रेडिट नामक निजी संस्था से सवा लाख रुपए का लोन लिया था। लेकिन वह कारोबार शुरू कर पाते उससे पहले ही महीनों के लिए लॉकडाउन लग गया। इसकी वजह से काम सही से नहीं चल पाया। इधर निजी संस्था के लोग नितिन को लोन जमा करने के लिए दबाव डालने लगे। इससे नितिन ओझा बेहद तनाव में रहने लगा। उसने शुक्रवार की रात अपनी दुकान में ही फांसी लगा ली।

घरवालों का कहना है कि काम नहीं चलने के कारण मानसिक रूप से तनाव में रहता था। वहीं, होम क्रेडिट वाले उसे लोन की किस्त जमा करने के लिए दबाव बना रहे थे। खास बात यह है कि मृतक नितिन के दो छोटे बच्चे और पत्नी हैं, जो अब पूरी तरह से बेसहारा हो गए हैं।

बिना मास्कवालों को सामान नहीं देंगे दुकानदार, नहीं माना नियम तो होगी कार्रवाई

मुंबई, कोरोना को काबू में करने के लिए बीएमसी ने एक नई पहल की है। मुंबई में अब बिना मास्क लगाए दुकान पर सामान लेने जाने पर दुकानदार सामान देने से इनकार कर देंगे। वे ऐसे लोगों से कहेंगे कि आप मुंह पर मास्क लगाकर आइए, तभी आपको सामान मिलेगा। बीएमसी ने इस संबंध में वॉर्ड लेवल पर अधिकारियों के जरिए दुकानदारों को इसकी चेतावनी दी है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा, 'जब तक दवाई नहीं आ जाती, तब तक कोरोना से बचाव के लिए सबसे अच्छा तरीका मास्क लगाना है। मास्क लगाने की अपील करने के बावजूद मुंबई में रोज बिना मास्कवाले 12-13 हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इसीलिए अब दुकानदार ऐसे लोगों को सामान नहीं देंगे, जो बिना मास्क पहने दुकान पर सामान लेने आते हैं।'

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष ने की महानिदेशक दिलीप पंढरपट्टे से पत्रकारों की समस्याओं के लिए की मुलाकात

मुंबई। देश के साथ ही महाराष्ट्र में भी पत्रकारों की कई संघटनाएं पत्रकारों की समस्याओं के लिए काम करती है। इन्हीं में एक मजबूत संघटन है जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र। जो पिछले कई सालों से अपने विभिन्न विषयों पर सरकार से अपील करती रही है, पत्राचार करती रही है, इसी यूनियन कर्ता ने महाराष्ट्र राज्य के सूचना और जनसंपर्क निदेशालय, के महानिदेशक श्री. दिलीप पंढरपट्टे से मंत्रालय में मुलाकात कर पत्रकारों के विभिन्न मुदों के साथ लंबित मुद्दों पर एक लिखित बयान देकर चर्चाएं की। इस मौके पर जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष, नारायण पांचाल, महासचिव, प्रवीण दवने, कोषाध्यक्ष, दिलीप पटेल, उपाध्यक्ष दीपक नाईक, नाना अहिरे, मुंबई के अध्यक्ष भीमराव धूलप भी उपस्थित थे दिलीप पांढरपट्टे जी से मुलाकात के बाद यूनियन वालों ने उनसे मंत्रालय में सिर्फ एक्रीडेशन वाले पत्रकारों को ही क्यों प्रवेश दिया जाता है, और शेष पत्रकारों को किस कानून के तहत उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है, साथ ही लोकल ट्रेनों में भी ऐसे अभी तक पत्रकारों को क्यों नहीं सफर करने दिया जा रहा है, जब की कई लोग सफर कर रहे है, इन सारी बातों पर महानिदेशक जी से यूनियन के पधादीकारों से काफी लंबी बातचीत हो गई। ज्ञात हो के इस तरह की कई यूनियनें ऐसे भी है जो सिर्फ लेटर हेड पर काम करते हुए, पत्रकारों के समस्याओं पर सही मायने में काम करने बजाय सिर्फ बड़े बड़े लोगों से मिलकर ही बाजी करती है। यूनियन भी कुछ ऐसे लोगों को ऐसे पदों पर विराजमान करती है। जो की पत्रकारिता के लायक कम रहते है, पर यूनियन के काम के धन का जुगाड़ करने में अव्वल रहने के खातिर बड़े बड़े पदों पर विराजमान किए जाते हैं जिनको सारी सुविधाओं के लाभ की लालच होती है। इस तरह से यूनियन की संख्या तो ना के बराबर रहती है, पर राज्यपाल वैगरा जैसी को मिलकर यह लोग अपने अपने तस्वीरों का वगैरा शो जरूर करते हैं।

कोरोना काल में भी जारी है निजी स्कूलों की मनमानी, 20-25% की बढ़ोतरी कर फोन पर मांग रहे फीस, अभिभावक परेशान

ग्रेटर नोएडा, कोरोना के बावजूद निजी स्कूलों के प्रबंधनों की मनमानी जोरों पर है। नए-नए नियमों को जोड़ते हुए 20 से 25 फीसदी फीस बढ़ा दी गई है। अभी लोगों की नौकरी पर संकट है और स्कूल के इन फैसलों से अभिभावक परेशान हैं। अभिभावकों के पास प्रबंधन की तरफ से लगातार फोन और मेसेज आ रहे हैं। फीस जमा न होने पर ऑनलाइन क्लास रोकने का दवाब बनाया जा रहा है। शासन स्तर से 9वीं से 12वीं तक के बच्चों के लिए अभिभावकों की अनुमति पर ऑफलाइन क्लास शुरू करने के लिए आदेश दिए गए थे। जबकि अन्य क्लास के बच्चों के लिए ऑफलाइन पढ़ाई की अनुमति नहीं दी गई है। जिले के कई प्राइवेट स्कूलों में क्लास शुरू हो गई है, जबकि कई में संक्रमण के चलते एक भी बच्चा नहीं पहुंचा है। क्या बोले परेशान अभिभावक अभिभावक अर्चना का कहना है कि मेरा बेटा शहर के एक नामी स्कूल में पढ़ाई कर रहा है। स्कूल प्रबंधन फीस के साथ ही एनुअल चार्ज को जोड़कर पांच महीने की एक साथ देने का प्रेशर बना रहे हैं। जबकि कोरोना काल में ट्यूशन फीस के आलावा अन्य तरफ से फीस न लेने की आदेश दिए गए हैं। अचानक 20 से 25 फीसदी बढ़ी हुई फीस देना हर मां-बाप के लिए मुश्किल भरा है। ऐसे ही कई स्कूलों ने फीस बढ़ा दी है। अभिभावक एडवोकेट आदित्य भाटी ने बताया कि संक्रमण के दौर में जब से स्कूल बंद है, तब से अभिभावकों पर समस्या का पहाड़ टूट गया है। क्लास ऑनलाइन चलने के नाम पर विभिन्न तरह की चीजों को जोड़कर उसकी रकम अभिभावकों से ली जा रही है। शिक्षा विभाग को प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ काईवाई करनी चाहिए। विभाग को शिकायत का इंतजार जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. नीरज कुमार पांडेय ने मामले पर कहा है कि कोरोना काल में फीस को लेकर अभिभावकों पर प्रेशर न बनाने के स्कूलों को सख्त आदेश हैं। किसी भी स्कूल की फीस बढ़ाने की शिकायत मिली तो जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि फीस रेगुलेटरी कमिटी के नियमों की अवेहलना करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।